हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 01 : जौनपुर, सोमवार 25 सितम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

एशियाई गेम्स: महिला टीम ने पक्का किया पदक

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने हांगझोउ में हो रहे एशियाई गेम्स के फाइनल मैच में जगह पक्की कर ली है। भारत और बांग्लादेश के बीच 24 सितंबर को सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया था जिसमें भारत ने 8 विकेट से बांग्लादेश को मात दी है। बांग्लादेश की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत को जीत के लिए 52 रनों का आसान टारगेट दिया था। भारतीय टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए 8.2 ओवरों में ही इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। भारत की तरफ से जेमिमा रुद्राक्ष ने 20 रनों की नाबाद पारी खेली। वहीं एशियाई गेम्स के फाइनल में पहुंचने पर भारतीय टीम का सिल्वर पदक पक्का हो चुका है। अगर भारतीय टीमों फाइनल मुकाबले में जीती है तो वह गोल्ड मेडल विजेता बन जाएगी। भारतीय महिला टीम ने पहली बार एशियाई खेलों के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। बता दें कि फाइनल मुकाबले के लिए दूसरी प्रतिद्वंद्वी टीम का चयन अभी नहीं हो पाया है। दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच होना है।

भारत ने पहले ही दिन मेडल का जोरदार पंच जड़ा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। शनिवार 23 सितंबर से आधिकारिक तौर पर शुरू हुए एशियाई गेम्स की ओपनिंग सेरिमनी हो चुकी है। वहीं अब 24 सितंबर से एशियन गेम्स का रोमांच अपने चरम पर है। 24 सितंबर को भारत पूरे एक्शन से भरपूर है। एशियन गेम्स का यह सुपर संडे है जिसमें भारत ने अब तक पांच मेडल हासिल कर लिए है। भारतीय भारत के लिए शूटिंग में बेटियों ने महिला टीम इवेंट 10 मीटर राइफल में देश को पहला पदक दिलाया। इस टीम में मेहुली घोष, रामिता जिंदल और आशी चौकसी शामिल है। बता दें कि रामिता ने सिंगल्स श्रेणी में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। वही रोइंग यानी नौकायन में अर्जुन लाल और अरविंद की जोड़ी ने सिल्वर मेडल जीतने में सफलता हासिल की है। इसके अलावा महिला क्रिकेट की बात करें तो महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को 8 विकेट से मौत देकर फाइनल में जगह पर की कर ली है।

बिधूड़ी के बयान पर रवि किशन नेदी अपनी प्रतिक्रिया

गोरखपुर (एजेन्सी)। भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी द्वारा लोकसभा में बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर बड़ी किरकिरी हो रही है। इस विवादित बयान को लेकर गोरखपुर सदर भाजपा सांसद रवि किशन ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। सांसद रवि किशन ने कहा कि रमेश बिधूड़ी द्वारा दानिश अली पर किया गया व्यक्तिगत हमला अच्छा नहीं है। मैं उनके बयान का समर्थन नहीं करता हूं। लेकिन बात यह है कि अगर रमेश बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई हो रही है तो संसद दानिश अली के खिलाफ भी यही किया जाना चाहिए। अब आप पूछेंगे, क्यों? उन्होंने कहा कि मैं दो बार संसद में बोलने के लिए खड़ा हुआ और उन्होंने मेरे ऊपर अभद्र भाषा में टिप्पणी की थी। मैं जब जनसंख्या नियंत्रण विधेयक लेकर आ रहा था।

चुनाव से पहले लगा सिंधिया को झटका

नई दिल्ली (एजेन्सी)। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव होने में कुछ ही महीनों का समय शेष रह गया है। मध्य प्रदेश चुनाव की तैयारी में कांग्रेस पार्टी और भाजपा दोनों ही जुटे हुए हैं। इन चुनाव के मध्य नजर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भाजपा के लिए एक हम चेहरा होने वाले हैं। हालांकि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले उनके लिए परेशानी काफी बढ़ गई है। इसके पीछे हम कारण बताया जा रहा है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया के सहयोगी उनके साथ छोड़कर जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक हाल ही में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को बड़ा झटका तब लगा जब उनके वफादार एक और प्रभावशाली नेता प्रमोद टंडन कांग्रेस में फिर से शामिल हो गए। चुनाव से चंद पहले पार्टी बदलने वाले नेताओं की संख्या छह पर पहुंच गई है।

पीएम मोदी ने देश को दी सौगात, नौ वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी, 11 राज्यों में बढ़ेगी कनेक्टिविटी

हैदराबाद (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देशवासियों को एक साथ नौ वंदे भारत ट्रेनों का तोहफा दिया। पीएम मोदी दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) की दो सेवाओं सहित नौ वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये काचीगुडा–यशवंतपुर और विजयवाड़ा–एमजीआर चेन्नई सेंट्रल मार्गों के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवा का उद्घाटन किया। वहीं, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कार्यक्रम में भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में आधुनिक कनेक्टिविटी विस्तार का यह अभूतपूर्व अवसर है। इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की यह गति और स्केल 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं से बिल्कुल मैच कर रही हैं और यही आज का भारत चाहता है। उन्होंने कहा कि आज जिन ट्रेनों को शुरू किया गया है, वे पहले की तुलना में ज्यादा आधुनिक और आरामदायक हैं। ये वंदे भारत ट्रेनें नए भारत के नए जोश, नए उत्साह और नई उमंग का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि ऐसे कई रेलवे स्टेशन हैं जो पिछले कई सालों से विकसित नहीं हुए हैं। इन स्टेशनों को विकसित करने का काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि अमृत काल में बने नए स्टेशन श्अमृत भारत स्टेशनश कहलाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेनों ने पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी ला दी हैं। जिन जगहों पर वंदे भारत ट्रेन पहुंच रही हैं, वहां पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। इससे वहां रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार, काचीगुडा–यशवंतपुर के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवा इस मार्ग की अन्य ट्रेनों की तुलना में कम से कम यात्रा समय के साथ दोनों शहरों के बीच सबसे तेज ट्रेन होगी। इसमें 530 यात्रियों की बैठने की क्षमता है। विजयवाड़ा – एमजीआर चेन्नई सेंट्रल मार्ग पर ट्रेन इस मार्ग पर पहली और सबसे तेज ट्रेन होगी। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल को पटना–हावड़ा और रांची–हावड़ा मार्गों और हावड़ा–कोलकाता के जुड़वां शहरों के बीच दो और वंदे भारत ट्रेन सेवाएं भी मिलेंगी। रेलवे ने पटना–झाझा, आसनसोल, बर्दवान, हावड़ा मुख्य मार्ग पर पटरियों को मजबूत करने के साथ ही पटना–हावड़ा मार्ग पर सेमी हाई–स्पीड ट्रेन संचालन की तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने 15 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली और वाराणसी के बीच चलने वाली पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई थी। चेन्नई में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) में निर्मित, ट्रेन सेट श्मेक–इन–इंडियाश पहल का प्रतीक है और भारत की इंजीनियरिंग कौशल को प्रदर्शित करता है। अधिकारियों के अनुसार, पटना–हावड़ा और रांची–हावड़ा मार्गों के लिए नई रेक में 25 अतिरिक्त सुविधाएं होंगी। केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने वंदे भारत ट्रेन में यात्रियों के साथ यात्रा की। इस दौरान उन्होंने यात्रियों से बातचीत की और उनसे यात्रा के अनुभव के बारे में जाना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिक्षा क्षेत्र से संबंधित 4,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ करने के लिए 27 सितंबर को गुजरात का दौरा करेंगे। इसके अलावा आदिवासी बहुल छोटाउदयपुर जिले के बोडेली शहर में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करेंगे।

मेरी माटी मेरा देश : शहीदों की मिट्टी लेकर निकलेगी अमृत कलश यात्रा

देश के वीर सपूतों द्वारा अपने प्राणों की आहुति देने वाले जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए खास कार्यक्रम की शुरुआत की गई

नई दिल्ली (एजेन्सी)। देश के वीर सपूतों द्वारा अपने प्राणों की आहुति देने वाले जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए खास कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। "मेरी माटी मेरा देश" अभियान के तहत शहीदों के आंगन की मिट्टी दिल्ली के कर्तव्य पथ पर पहुंचेगी। यहां अमृत वाटिका में इस मिट्टी का प्रयोग किया जायेगा। इसी कड़ी में देश भर में नौ अगस्त से देशव्यापी कार्यक्रम मेरी माटी मेरा देश शुरू किया है। वीर सपूतों को श्रद्धांजलि देने के लिए 9 अगस्त 2023 से देश के अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के तहत राष्ट्र के रक्षक वीरों को सम्मानित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत कारगिल युद्ध में शहीद हुए जवानों, स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों, ऑन ड्यूटी जिनकी मौत हुई या आतंकी मुठभेड़ में शहीद हुए जवानों के आंगन से मिट्टी एकत्र की जाएगी। इन शहीदों में देश के पहले सीडीएस स्वर्गीय जनरल बिपिन रावत के आंगन से भी मिट्टी ली जाएगी। केंद्र सरकार की पहल पर गांव, पंचायत, प्रखंड, शहरी स्थानीय निकाय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। देश भर में जारी अमृत कलश यात्रा की खासियत है कि देश के सभी क्षेत्रों से पचहत्तर हजार कलशों में मिट्टी को भरकर दिल्ली लाया जाएगा। देशभर से आई इसी मिट्टी से दिल्ली में अमृत वाटिका तैयार होगी। ये अमृत वाटिका देश के लिए अमूल्य धरोहर होगी, जिसका निर्माण नेशनल वॉर मेमोरियल के पास होना है। ये अमृत वाटिका' 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत का भी बहुत ही भव्य प्रतीक बनेगी। बता दें कि दिल्ली से अमृत कलश यात्रा का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने किया था। इस यात्रा की शुरुआत के मौके पर उन्होंने कहा था कि यह सिर्फ एक आम कार्यक्रम नहीं बल्कि आपके भविष्य के साथ जोड़ने का एक अहम जरिया है। इस दौरान अमित शाह ने मिट्टी नाम का एक खास गाना भी जारी किया था। वहीं देश भर से कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे लोगों को अमृत कलश भी प्रदान किए थे। इस यात्रा का शुभारंभ करने के दौरान अमित शाह ने कहा कि अट्ठारह सौ सत्तावन से लेकर उन्नीस सौ सैंतालीस तक यानी कुल 90 वर्षों तक स्वतंत्रता संग्राम जारी रहा था। इस दौरान सैकड़ों लोगों को अपना जीवन न्योछावर करना पड़ा था और अपना सर्वस्व बलिदान देना पड़ा था। उन्होंने कहा कि जब कोई भारतीय भारत माता की जय बोलता है तब वह अपनी माटी की जय का नारा लगाता है। इस जय का नारा लगाने के लिए लाखों लोगों को अपने प्राणों की आहुति देनी पड़ी थी। 'आजादी के अमृत महोत्सव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो लाख से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन करवाया।

मन की बात में बोले पीएम मोदी कर्तव्य निभाते हुए ही हम अपने लक्ष्यों को पा सकते हैं

मन की बात कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी जी20 के सफल आयोजन और चंद्रयान 3 की सफलता से मिली देश को खुशी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मन की बातश के 105वें एपिसोड को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 'मन की बात' के एक और एपिसोड में मुझे आप सभी के साथ देश की सफलता को, देशवासियों की सफलता को, उनकी प्रेरणादायक जिंदगी के सफर को आपसे साझा करने का अवसर मिला है। पीएम मोदी ने कहा कि इन दिनों सबसे ज्यादा पत्र और सन्देश, जो मुझे मिले हैं, वो दो विषयों पर बहुत अधिक है।पहला विषय है, चंद्रयान–3 की सफल लैंडिंग और दूसरा विषय है दिल्ली में जी–20 का सफल आयोजन। देश के हर हिस्से, समाज के हर वर्ग से, हर उम्र के लोगों के मुझे अनगिनत पत्र मिले हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब चंद्रयान–3 का लैंडर चंद्रमा पर उतरने वाला था, तब करोड़ों लोग अलग–अलग माध्यमों के जरिए एक साथ इस घटना के पल–पल के साक्षी बन रहे थे। इसरो के YouTube Live Channel पर 80 लाख से ज्यादा लोगों ने इस घटना को देखा, जो अपने आप में ही एक रिकॉर्ड है। इससे पता चलता है कि चंद्रयान–3 से करोड़ों भारतीयों का कितना गहरा लगाव है। मन की बात के 105वें एपिसोड को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने चंद्रयान की सफलता पर चल रहे क्विज कंपटीशन चंद्रयान–3 महाक्विज का भी जिक्र किया उन्होंने बताया कि MY Gov portal पर हो रहे इस कंपटीशन में अब तक 15 लाख से ज्यादा लोग हिस्सा ले चुके हैं। प्रधानमंत्री ने लोगों से क्विज कंपटीशन में भाग लेने की भी अपील की। चंद्रयान–3 की सफलता के बाद जी–20 के शानदार आयोजन ने हर भारतीय की खुशी को दोगुना कर दिया। भारत मंडपम तो अपने आप में एक सेलेब्रिटी की तरह हो गया है द्य लोग उसके साथ सेल्फी खिंचा रहे हैं और गर्व से पोस्ट भी कर रहे हैं। भारत ने जी20 समिट में अफ्रीकन यूनियन को जी 20 में पूर्ण सदस्य बनाकर अपने नेतृत्व का लोहा मनवाया है। जब भारत बहुत समृद्ध था, उस जमाने में हमारे देश में और दुनिया में सिल्क रूट की बहुत चर्चा होती थी। ये सिल्करूट व्यापार–कारोबार का बहुत बड़ा माध्यम था। अब आधुनिक जमाने में भारत ने एक और इकोनॉमिक कॉरिडोर जी–20 में सुझाया है। इसका नाम है– इंडिया मिडिल ईस्ट यूरोप कॉरिडोर। ये कॉरिडोर आने वाले सैकड़ों सालों तक विश्व व्यापार का आधार बनने जा रहा है और इतिहास इस बात को हमेशा याद रखेगा कि इस कॉरिडोर का सूत्रपात भारत की धरती पर हुआ था। इस प्रोग्राम के जरिए देशभर के यूनिवर्सिटी के लाखों छात्र एक–दूसरे से जुड़ेंगे।

यूपी में सपा की दया पर निर्भर नहीं रहेगी कांग्रेस, अकेले ही लड़ सकती है चुनाव

इंडिया एलायंस अब सीटों के बंटवारे के स्तर पर बातचीत शुरू कर चुका है इस बातचीत में सबसे ज्यादा दिक्कतें यूपी में आने वाली हैं

लखनऊ (एजेन्सी)। इंडिया एलायंस अब सीटों के बंटवारे के स्तर पर बातचीत शुरू कर चुका है। इस बातचीत में सबसे ज्यादा दिक्कतें यूपी में आने वाली हैं। यहां पर सपा कांग्रेस को पांच से सात सीटे देने के मूड में है। यदि ऐसा हुआ तो प्रदेश में यह गठबंधन टूट सकता है और कांग्रेस अकेले ही चुनावों में जा सकती है। अखिलेश यादव ने बीते दिनों बयान दिया कि उनकी पार्टी इंडिया एलायंस से सीटें मांगेगी नहीं बल्कि उसे देगी। उनके इस बयान को कांग्रेस के साथ हो रही सीट शेयरिंग से जोड़कर देखा जा रहा है। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के घोसी और बागेश्वर सीटों को चुनाव परिणाम को लेकर दिए गए बयान के बाद राज्य स्तर पर दोनों पार्टियों के बीच में एक मौन तल्खी बनी हुई है। हालांकि कांग्रेस की टॉप लीडरशिप इस मामले में बिल्कुल खामोश है। सपा कांग्रेस के साथ गठबंधन तो चाहती है लेकिन वह कांग्रेस का राजनीतिक रसूख 2019 के लोकसभा चुनावों के अनुसार तय करना चाहती हैं। जहां कांग्रेस को एकलौती रायबरेली की सीट मिली थी। खुद राहुल अपनी सीट हार गए थे। कांग्रेस भी एलायंस चाहती है लेकिन उसके दिमाग में 2009 के लोकसभा चुनाव में जीती हुई सीटें हैं। जहां उसने अपने बूते 21 सीटें हालिस की थीं। कांग्रेस इस गठबंधन में 15 से 20 सीटें हासिल करना चाहती है। सारा पेंच यही पर है। दोनों पार्टियां सीट शेयरिंग के मुद्दे पर दो अलग–अलग पिचों पर हैं। कांग्रेस ने तीन कैटेगरी में पूरे यूपी को बांट रखा है। उसने 30 सीटें ऐसी चुनी हैं जहां पार्टी पूरी ताकत के साथ लड़ना चाहती है। वह इसे ए कैटेगरी की सीटें मान रही है। बी कैटेगरी की सीटें वह सीटें जहां पार्टी ने बीते चुनावों में सम्मानजनक सीटें पायी थीं। इनकी भी संख्या 30 है। बाकी बची सीटें सी कैटेगरी की हैं। जहां पार्टी को बहुत उम्मीदें नहीं है। गठबंधन ना हो पाने की दशा में भी कांग्रेस साथी पार्टियों के लिए बीजेपी को हराने के लिए वहां डमी कैंडिडेट देगी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कहते हैं कि पार्टी अपनी पूरी ताकत ए और बी कैटेगरी की सीटों में लगा रही है। हम गठबंधन में शामिल होना चाहते हैं लेकिन प्रतिष्ठा से कम सीटें मिलने पर हमारा अकेले चुनाव लड़ने का विकल्प खुला है। हमने जिन सीटों को ए कैटेगरी में रखा है वहां पर संगठन के स्तर पर चुनाव की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। हम इन चुनावों में किसी की दया पर निर्भर नहीं हैं। कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी है और यह लोकसभा का चुनाव है ना कि विधानसभा का। राजनीतिक जानकार बताते हैं कि कांग्रेस और सपा दोनों ही गठबंधन में ही चुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस बीजेपी की सीटें यूपी में सीमित करने के लिए किसी भी तरह के समझौते को स्वीकार्य कर लेगी। कांग्रेस अकेले लड़कर वोटों के बिखराव होने का आरोप अपने सर नहीं मढ़ने देगी। नीतीश कुमार के साथ शुरुआती दौर में होने वाली बातचीत में राहुल गांधी यह स्पष्ट कर चुके हैं।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मालगाड़ी से टकराई यात्री ट्रेन, दुर्घटना में 31 घायल

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में रविवार को एक यात्री ट्रेन मुख्य रेलवे लाइन पर खड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गई। इस हादसे में कम से कम 31 लोग घायल हो गए। बता दें, दुर्घटना शेखपुरा जिले में किला सत्तार शाह स्टेशन के पास हुई। बताया जा रहा है कि मियांवाली से लाहौर जा रही यात्री ट्रेन उसी पटरी पर यात्रा कर रही थी, जहां पहले से ही एक मालगाड़ी खड़ी थी। ट्रेन चालक ने हादसे न हो इसके लिए काफी कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। बचावकर्मियों ने बताया कि दुर्घटना में 31 यात्री घायल हो गए। इनमें से पांच को जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना की जांच शुरू कर दी गई है। ट्रेन चालक इमरान सरवर और उसके सहायक मुहम्मद बिलाल सहित चार रेलवे अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के बाद लाहौर मंडल में ट्रेन परिचालन सुचारू रूप से चल रहा है। पटरी को साफ कर दिया गया है। इसके अलावा, उप प्रधान अधिकारी के नेतृत्व में एक जांच आयोग का गठन किया गया है, जो 24 घंटे के अंदर घटना पर अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। रेलवे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शाहिद अजीज ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल–एन) के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने घटना पर दुख जताया और दुर्घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पिछले एक दशक में, पाकिस्तान में कई घातक ट्रेन दुर्घटनाएं हुई हैं।

मोटो जीपी रेस देखने पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ, विजेता खिलाड़ियों को दिया पुरस्कार

ग्रेटर नोएडा (एजेन्सी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज नोएडा के दौरे पर हैं। योगी आदित्यनाथ ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजित हो रही मोटोजीपी रेस देखने पहुंचे हैं। योगी आदित्यनाथ ने यहां मोटोजीपी के सीईओ से मुलाकात की। मोटो जीपी रेस देखने को बाद सीएम योगी किसानों से वार्ता करेंगे। सीएम योगी बीआईसी पर तक निवेश को लेकर होने वाली करीब 300 कंपनियों के प्रतिनिधियों और मोटो जीपी के सीईओ समेत अन्य टीम के साथ बैठक करेंगे। साथ ही राइडर्स और ट्रॉफी के साथ फोटो सेशन होगा। मंत्रियों के साथ दोपहिया वाहन कंपनियों के मुख्य प्रतिनिधिमंडल से वार्ता करने के बाद गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय जाएंगे। जीबीयू में बौद्ध प्रदर्शनी का भी जायजा लेंगे। दोपहर 3:45 बजे बजे सीएम हेलीकॉप्टर से बीआईसी के लिए उड़ान भरेंगे। बीआईसी पर वह मोटो जीपी की फाइनल रेस देखने के साथ ही विजेता राइडर को पुरस्कार देंगे। शाम पांच बजे सीएम गाजियाबाद हिंडन बेस के लिए रवाना होंगे। आज फाइनल में पहली पंक्ति में रहेगी डुकाटी बाइक सवारों की तिकड़ी मोटो जीपी रेस का फाइनल आज होगा। मोटो जीपी फाइनल में डुकाटी बाइक सवारों की तिकड़ी पहली पंक्ति में रहेगी। रेस में अव्वल आने और पूर्व के नंबरों के आधार पर पोल पोजीशन पर रहने वाले मार्को बैसेकी पहली पंक्ति में होंगे।

असंसदीय भाषा का इस्तेमाल करने के सवाल पर बचते दिखे रमेश बिधूड़ी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। लोकसभा में बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ की गई टिप्पणी के बारे में जब मीडिया ने भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी से सवाल किया तो वह इससे बचते नजर आए। उन्होंने कहा कि स्पीकर उस पर गौर कर रहे हैं, मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। चंद्रयान –3 की सफलता पर रमेश बिधूड़ी बोल रहे थे। इसी बीच बसपा सांसद दानिश अली ने टिप्पणी की। जिसके बाद भड़के भाजपा सांसद ने बसपा सांसद के खिलाफ आपत्तिजनक और असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल किया। भाजपा ने बिधूड़ी को जारी किया नोटिस दक्षिणी दिल्ली से सांसद रमेश बिधूड़ी ने संसद में बहस के दौरान बसपा सांसद दानिश अली पर अभद्र टिप्पणियां कर दीं। इससे पूरा विपक्ष केंद्र पर हमलावर हो उठा। बिधूड़ी पर तत्काल कड़ी कार्रवाई करने और उनसे उनकी अभद्र टिप्पणियों के लिए क्षमा मांगने की बात कही गई। अपने एक सांसद के आपत्तिजनक बयान के बाद भाजपा भी बैकफुट पर दिखाई पड़ रही थी। पार्टी ने नोटिस जारी कर बिधूड़ी से उनके बयान पर सफाई मांगी और कहा कि उनकी इस अभद्र टिप्पणी के लिए उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए।

निज्जर की हत्या को लेकर हुआ बड़ा खुलासा, अमेरिका ने कनाडा को दी थी खुफिया जानकारी

वाशिंगटन (एजेन्सी)। अमेरिका के प्रतिष्ठित समाचारपत्र 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने सूत्रों के हवाले से अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद अमेरिका ने कनाडा को खुफिया जानकारी मुहैया करायी थी लेकिन ओटावा ने जो जानकारी जुटाई थी वह अधिक ठोस थी और उसके आधार पर ही उसने भारत पर आरोप लगाए हैं। यह खबर तब प्रकाशित हुई जब कनाडा में अमेरिका के एक शीर्ष राजनयिक ने पुष्टि की कि 'फाइव आइज के साझेदारों के बीच खुफिया जानकारी साझा की गयी थी'', जिसने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को एक खालिस्तानी अलगाववादी की कनाडा की धरती पर हुई हत्या में भारतीय एजेंटों के संलिप्त रहने का आरोप लगाने को प्रेरित किया। भारत ने इन आरोपों को 'बेतुका' और 'प्रेरित' बताते हुए आक्रामक रूप से खारिज कर दिया और इस मामले में कनाडा द्वारा एक भारतीय अधिकारी को निष्कासित किए जाने के जवाब में एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया। प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के प्रमुख निज्जर की 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में हत्या कर दी गयी थी। भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था।

सम्पादकीय

विशेषज्ञों और सलाहकारों का आपके पक्ष में होना क्यों जरूरी है?

इसी साल 9 सितंबर की बात है। राजकुमार ने करीबन 3 बजे चेन्नई के बाहरी छोर पर अपनी टैक्सी खड़ी की और आमतौर पर शाम के 5 बजे शुरू होने वाले पीक आवर से पहले झपकी लेने का सोचा और कुछ हल्का–फुल्का खाने का विचार किया। उसे पता था कि दिन लंबा होने वाला है क्योंकि उसके खाते में महज 105 रुपए ही हैं इसलिए कुछ अच्छा कमाना पड़ेगा। बचत के रूप में इस न्यूनतम राशि के पीछे वजह वह और उसका मित्र था, जिन्होंने सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट के पास एक छोटी–सी जगह किराए पर ली थी, जहां से उनका ज्यादातर टैक्सी बिजनेस आता है। इन दिनों लंबी दूरी के टैक्सी बिजनेस में मुनाफा नहीं है क्योंकि भीड़ भाड़ होने से ट्रैफिक में ईंधन व्यर्थ होता है। इसलिए ज्यादातर टैक्सी ड्राइवर जल्दी से अपने बेस पर वापस आने की राह देखते हैं, जो कि आमतौर पर शहर में ऐसी जगह होती है जहां से ज्यादातर बिजनेस संचालित होता है। इस महीने के घर खर्च के बारे में उसके दिमाग में चल ही रहा था कि गाड़ी में उसे नींद आ गई और तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक, जहां उसका खाता है, उसके एक मैसेज से नींद खुली। उसे पता था कि खाते में बैलेंस कम है, इसलिए ये सोचकर मैसेज खोला कि मिनिमम बैलेंस से जुड़ा शायद कोई चेतावनी भरा मैसेज हो। लेकिन अकाउंट में 90000000105 बैलेंस देखकर उसका मुंह खुला का खुला रह गया, जिसका मतलब था कि किसी ने 9,000,000,00,00 रुपए जमा किए हैं। वह जीरो गिन नहीं पाया। क्या आप समझ पाए यह कितनी राशि है? किसी ने उसे बताया कि एक करोड़ में सात जीरो होते हैं और अगर यह दस जीरो हैं, मतलब ये 9000 करोड़ रुपए हैं, जो कि उसके 105 रुपए की मामूली शेष राशि में जुड़ गए हैं। पहले उसे लगा कि ये मजाक है। उसने किसी की मदद ली और तब समझ आया कि ये सच है। मैसेज की सत्यता जांचने के लिए उसने एक दोस्त को 21 हजार रु. ट्रांसफर किए और दोस्त को मिल गए। तब पैसे आए 28 मिनट हो चुके थे। उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने करीब–करीब योजना बना ली थी कि इतने सारे पैसों का वह क्या करेगा। ट्रांसफर होने के 30वें मिनट से ही उसे बैंक अधिकारियों के धड़ाधड़ फोन आने लगे और पैसे वापस मांगने लगे। उसे ताज्जुब हो रहा था क्यों।

वह कुछ कर पाता, इसे पहले एक और मैसेज आया, जिसमें बैंक ने उसके खाते से सारे रुपए निकाल लिए। इसका मतलब था कि वह 9 हजार करोड़ का मालिक सिर्फ 30 मिनट के लिए था, जिसमें 21 हजार इस्तेमाल कर लिए। अगली सुबह एक बैंक अधिकारी ने उसे पुलिस शिकायत की धमकी दी और तुरंत 21 हजार रुपए जमा करने को कहा। उसने तर्क दिया कि यह उसकी गलती नहीं थी। बैंक अधिकारी नहीं माने और दबाव बनाते रहे। वह हताश हो गया, उसने एक वकील की मदद ली और उसी बैंक की एक शाखा में गया। वकील के हस्तक्षेप के कारण आखिरकार दोनों पक्ष ने राजीनामा कर लिया। बैंक इस पर राजी हो गया कि राजकुमार को निकाल ली गई राशि वापस करने की जरूरत नहीं है और उन्होंने उसे एक कार लोन ऑफर किया (शायद जिस ब्याज दर पर वह राजी हो गया हो) ताकि उसे किसी और की टैक्सी न चलानी पड़े। बैंक खातों में होने वाली गड़बड़ी इन दिनों बहुत कॉमन है और अधिकांश आबादी अब डिजिटल की ओर जा रही है, ऐसे में लेनदेन से जुड़ी गड़बड़ियां बढ़ गई हैं, शायद मात्रा बढ़ने के कारण। इससे फर्क न पड़े, लेकिन समाज का निचला तबका बुरी तरह प्रभावित हुआ है, भले ही वे उस हालात में सही हों। कोई भी राजकुमार के इरादों पर संदेह नहीं कर सकता क्योंकि उसने पैसे नहीं चुराए, इसलिए उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा। फंडा यह है कि जब आप किसी विचित्र–सी परिस्थिति में फंस जाएं, जहां आपके दृष्टिकोण से आपने सही किया, पर दूसरों के दृष्टिकोण में गलत है, तब इन हालातों में हमेशा किसी विशेषज्ञ की मदद लें या उस हालात से बाहर निकालने के लिए सलाहकार पास रखें।

पिछड़ रहे चीन को अब अपनी तकनीकी-क्षमता से आस

एक समय था, जब चीन चमत्कृत कर देने वाली गति से आगे बढ़ रहा था। लेकिन पिछले काफी अरसे से वह बेपटरी हो चुका है। उसकी आबादी बुजुर्ग हो रही है, उस पर कर्ज है और हर मामले में टांग अड़ाने वाली उसकी सरकार ने उसे 1990 के दशक वाले जापान की तरह एक चमक गंवाता सितारा बना दिया है। तब जापान की इकोनॉमी की रफ्तार बहुत धीमी हो गई थी, लेकिन वह संकट की घड़ी को टाल गया था। एक साल पहले हम सुन रहे थे कि कोविड के बाद चीनी की इकोनॉमी में री–ओपनिंग का बूम है, जबकि अमेरिका देर–सबेर मंदी का शिकार होकर रहेगा। फिर भी पूछा जाना चाहिए कि चीन के जापानीकरण की जो कहानी बुनी गई है, वह किस सीमा तक प्रामाणिक है। 1990 में जब जापान का प्रॉपर्टी–बबल फूटा था, तब सरकार के द्वारा बाजार को भारी पैमाने पर दिए गए प्रोत्साहन के बाद उसकी इकोनॉमी ने ताकतवर वापसी दर्ज कराई। 1992 के मध्य से लेकर 1993 के मध्य तक टोक्यो के स्टॉक्स में 80 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई थी। जीडीपी विकास दर जो लगभग शून्य पर चली गई थी, वह बढ़कर 3 प्रतिशत तक आई। लेकिन यह उजली तस्वीर कुछ ही समय के लिए थी, जिसके बाद जापान को दीर्घकालीन स्लोडाउन का सामना करना पड़ा। बहुत सम्भव है चीन भी दो या तीन बार तात्कालिक रूप से वापसी करता दिखाई दे। एक और सिनैरियो यह है कि आज चीन वहां है, जहां 2008 की गर्मियों में अमेरिका था। तब प्रॉपर्टी–बाजार लड़खड़ा रहा था, लेकिन अनेक विश्लेषक आने वाले संकट का पूर्वानुमान नहीं लगा सके थे। जाहिर है, 2008 के सितम्बर में आफत आई और सरकार को महामंदी को रोकने के लिए हरसम्भव जतन करना पड़े। इस सिनैरियो की मानें तो चीन भी वित्तीय–संकट के मुहाने पर है। 1993 में जापान इसलिए वापसी कर पाया था, क्योंकि सरकार ने बाजार को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहन दिया था, जो उस साल उसकी जीडीपी के 6 प्रतिशत तक पहुंच गया था। लेकिन चीन के लिए वापसी इतनी स्वाभाविक नहीं होगी, क्योंकि वह भारी खर्च करने से झिझकता है। जाहिर है ऐसा इसलिए है, क्योंकि वह और कर्ज लेने से डरता है। लेकिन चीनी अधिकारियों ने हाल के सप्ताहों में छोटे–छोटे स्टिमुलस दिए हैं– जैसे ऋण और गिरवी के नियमों को सरल बनाना या घर खरीदने वालों को कर्ज में छूट। हो सकता है, आने वाले समय में इनमें और भी बढ़ोतरी हो। लेकिन चीन की वापसी सबसे ज्यादा उसकी तकनीकी–क्षमता पर निर्भर करने वाली है। बड़ी टेक कम्पनियों को आड़े हाथों लेने के बावजूद चीन एआई से लेकर रोबोटिक्स तक 44 टेक–फील्ड्स में से 37 में अमेरिका पर सनसनीखेज बढ़त बनाए हुए है। यह निष्कर्ष इस साल के आरम्भ में ऑस्ट्रेलियन स्ट्रैटेजिक पॉलिसी इंस्टिट्यूट के एक अध्ययन में निकाला गया था। चीन ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील टेक्नोलॉजियों– जैसे सोशल मीडिया– पर प्रहार किया है, इसके बावजूद ईवी और सोलर पॉवर जैसे अपेक्षाकृत कम संवेदनशील टेक्नोलॉजी की नई निर्यात सब्सिडियों में पैसा लगाने से वह रुका नहीं। इस साल चीन ईवी के दुनिया में सबसे बड़े निर्यातक के रूप में जापान से आगे बढ़ गया है। वास्तव में आज ईवी चीनी स्टॉक मार्केट के सबसे उजले पहलुओं में से है। दूसरी तिमाही की धीमी गति के बावजूद चीन के बाजारों ने लचीलेपन का परिचय दिया है और ऑटो जैसे कंज्यूमर सेक्टर में रेवेन्यू–ग्रोथ हुई है। लेकिन चूंकि आज चीन–विरोधी भावनाएं चरम पर हैं, इसलिए टिप्पणीकार उसके यहां से मिलने वाले किसी भी सकारात्मक संकेत पर गौर नहीं करेंगे। चीन का सबसे नकारात्मक पक्ष है प्रॉपर्टी मार्केट। जमीन और मकानों की कीमतें पांच प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ रही हैं। रियल एस्टेट में निवेश डाउन है और भूमि–विक्रय से स्थानीय सरकारों को प्राप्त होने वाले राजस्व में मई के अंत तक 20 प्रतिशत की गिरावट आ गई थी। ये स्थानीय सरकारें जमीन खरीदकर बेचती थीं, लेकिन आज वे चीनी सरकार पर लदे लगभग आधे कर्ज के लिए जिम्मेदार हैं। यह बीते दस सालों में दोगुना होकर जीडीपी के लगभग सौ प्रतिशत जितना हो गया है। ऐसे में सवाल उठता है पीक का– यानी क्या चीन अपना सबसे बुरा दौर देख चुका है।

महिलाओं के लिए सत्ता में सहभागिता का आधार बनेगा बिल

भारत का गौरवशाली इतिहास इस बात की तस्दीक करता है कि, भारत दुनिया के मानचित्र में उस दौरान पूर्ण विकसित नगरीय सभ्यता में शुमार था जब अन्य सभ्यताएं विकास के पायदान पर जद्दोजहद कर रही थी। सिंधु सभ्यता की सड़के, उद्योग, नगर आज भी दुनिया के वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय है। तब हमारी सभ्यता मातृसत्तात्मक थी और हमारी संस्कृति दुनिया में श्रेष्ठतम। महिला आरक्षण बिल एक लंबे संघर्ष के दौर से गुजरते हुए लोकसभा पर पहुंचा है। यदि यह कानून में तब्दील हो गया तो यह सम्पूर्ण नारी शक्ति की जीत होगी। महिला आरक्षण विधेयक 1996 के बाद कई बार बहस का मुद्दा बना 2010 में राज्य सभा से पास होने के बाद भी लोकसभा में पेश नहीं हो सका। जिस वजह से यह बिल अधर में लटका रहा। कहते हैं सरोजिनी नायडू ने सन् 1931 में सबसे पहले महिला अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर ब्रिटिश पीएम को पत्र लिखकर महिलाओं के राजनीतिक अधिकार को लेकर बात की थी। उनके मुताबिक महिलाओं को मनोनीत करके किसी पद पर बैठाना एक किस्म का अपमान है।

डॉ. नाज परवीन

भारत को आजादी मिले 75 साल से ज्यादा बीत चुके हैं। आजादी की जंग में महिलाओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। गोली मारी भी और खाई भी। अंग्रेजी हुकूमत के कोड़े खाने से लेकर साइनाइड पीने तक का सफर भी तय किया। महिलाओं ने आजादी की लड़ाई में सूझ–बूझ से लेकर कूटनीति और निडर गुप्तचर बन बराबर का प्रतिनिधित्व दिया। भारत की आजादी के साथ ही महिलाओं को वोट देने का अधिकार दिया गया। यहां तक तो हम अमेरिका को पीछे छोड़ समानता के पायदान पर छलांग लगाने को तैयार रहें लेकिन समानता की प्रतिस्पर्धा में महिलाएं कब पीछे छूट गई, कब वे बराबरी के निचले पायदान पर सिमटकर रह गई पता ही न चला। सिर्फ वोट देने के अधिकार से पीठ नहीं थपथपाई जा सकती। महिलाएं दुनिया की आधी आबादी हैं। दुनियाभर की संसद में महिलाओं की भागीदारी 24 प्रतिशत है लेकीन विडम्बना है कि, भारत में उनकी अपने ज्यादातर अधिकारों की जंग आज भी जारी है। आधी आबादी को आधे का प्रतिनिधित्व करने का अधिकार है जिसके लिए उसकी लंबी लड़ाई अभी बाकी है। हालांकि भारत सरकार ने 33: आरक्षण पर बिल लाकर उस लड़ाई को सहज बनाने की पहल की है जो सराहनीय कदम है। महिला आरक्षण बिल लोकसभा में पास होने से उम्मीद की किरण जग उठी है कि जल्द ही यह कानून अमल पर आ जाएगा और महिला सशक्तिकरण की राह मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा। भारत का गौरवशाली इतिहास इस बात की तस्दीक करता है कि, भारत दुनिया के मानचित्र में उस दौरान पूर्ण विकसित नगरीय सभ्यता में शुमार था जब अन्य सभ्यताएं विकास के पायदान पर जद्दोजहद कर रही थी। सिंधु सभ्यता की सड़के, उद्योग, नगर आज भी दुनिया के वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय है। तब हमारी सभ्यता मातृसत्तात्मक थी और हमारी संस्कृति दुनिया में श्रेष्ठतम। महिला आरक्षण बिल एक लंबे संघर्ष के दौर से गुजरते हुए लोकसभा पर पहुंचा है। यदि यह कानून में तब्दील हो गया तो यह सम्पूर्ण नारी शक्ति की जीत होगी। महिला आरक्षण विधेयक 1996 के बाद कई बार बहस का मुद्दा बना 2010 में राज्य सभा से पास होने के बाद भी लोकसभा में पेश नहीं हो सका। जिस वजह से यह बिल अधर में लटका रहा। कहते हैं सरोजिनी नायडू ने सन् 1931 में सबसे पहले महिला अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर ब्रिटिश पीएम को पत्र लिखकर महिलाओं के राजनीतिक अधिकार को लेकर बात की थी। उनके मुताबिक महिलाओं को मनोनीत करके किसी पद पर बैठाना एक किस्म का अपमान है। वह चाहती थीं कि, महिलाएं मनोनीत न हों, बल्कि चुनी जाएं। सरोजिनी नायडू के द्वारा आजादी से 17 साल पहले ही उठाए गए इस कदम ने आने वाले दिनों में महिलाओं के आरक्षण संबंधी बहस को जन्म दिया। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटों में 78 महिलाएं हैं जो लगभग 15: से कम हैं। वहीं राज्यसभा में 14: महिला सदस्य हैं जो बेहद कम संख्याबल को दर्शाता है। राज्य विधान सभाओं में यह संख्या 10: से भी कम है। देश की पहली लोकसभा 1952 में यह प्रतिशत 5: से भी कम रही तब केवल 24 महिला सांसद शामिल थी। महिलाओं से जुड़े सवालों को तब तक हल करना संभव नहीं है जब तक महिलाएं उन सवालों को खुद हल करने में शामिल न होंगी। देश की पंचायतों से बेहतर उदाहरण भला क्या हो सकता है, जिसमें महिला सशक्तिकरण के बेहतरीन उदाहरण देखें जा सकते हैं। आंकड़ों की मानें तो वैश्विक राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 24: सांसदों का है। महिला आरक्षण विधेयक महिलाओं से जुड़े सवालों को हल करने में एक सशक्त साधन के रूप में देखा समझा जाना चाहिए। जिसे जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए ताकि महिला सशक्तिकरण की राह में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सके। जब हमारी संसद में महिलाओं की संख्या ज्यादा होगी तो महिला मुद्दों पर मजबूती से बहस हो सकेगी। पंचायती स्तर पर महिलाओं में हुए कमाल के परिवर्तन बताते हैं की जब राष्ट्रीय स्तर पर महिलाएं बढ़–चढ़कर हिस्सा लेंगी तो उनसे जुड़े सवालों को न केवल हल करना आसान होगा बल्कि अपराधों में भी कमी आएगी। महिलाओं का समाज में पोषण स्तर बढ़ेगा, समाज के नीति निर्माण में महिलाओं की भागीदारी होना आवश्यक है। यद्धपि यह महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए एक मात्र उपाय नहीं है बल्कि इसके अलावा भी सरकार को और मजबूत कोशिशें शुरू करनी होगी। समाज में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने की भी जरूरत है। उनके बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा पर ध्यान देने की जरुरत है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए जमीनी स्तर पर काम करने की आवश्यकता है ताकि महिला आरक्षण विधेयक को पूरी तरह सफल बनाया जा सके। भारत का गौरवशाली इतिहास इस बात की तस्दीक करता है कि, भारत दुनिया के मानचित्र में उस दौरान पूर्ण विकसित नगरीय सभ्यता में शुमार था जब अन्य सभ्यताएं विकास के पायदान पर जद्दोजहद कर रही थी। सिंधु सभ्यता की सड़के, उद्योग, नगर आज भी दुनिया के वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय है। तब हमारी सभ्यता मातृसत्तात्मक थी और हमारी संस्कृति दुनिया में श्रेष्ठतम। महिला आरक्षण बिल एक लंबे संघर्ष के दौर से गुजरते हुए लोकसभा पर पहुंचा है। यदि यह कानून में तब्दील हो गया तो यह सम्पूर्ण नारी शक्ति की जीत होगी। महिला आरक्षण विधेयक 1996 के बाद कई बार बहस का मुद्दा बना 2010 में राज्य सभा से पास होने के बाद भी लोकसभा में पेश नहीं हो सका। जिस वजह से यह बिल अधर में लटका रहा। कहते हैं सरोजिनी नायडू ने सन् 1931 में सबसे पहले महिला अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर ब्रिटिश पीएम को पत्र लिखकर महिलाओं के राजनीतिक अधिकार को लेकर बात की थी। उनके मुताबिक महिलाओं को मनोनीत करके किसी पद पर बैठाना एक किस्म का अपमान है। वह चाहती थीं कि, महिलाएं मनोनीत न हों, बल्कि चुनी जाएं। सरोजिनी नायडू के द्वारा आजादी से 17 साल पहले ही उठाए गए इस कदम ने आने वाले दिनों में महिलाओं के आरक्षण संबंधी बहस को जन्म दिया। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटों में 78 महिलाएं हैं जो लगभग 15: से कम हैं। वहीं राज्यसभा में 14: महिला सदस्य हैं जो बेहद कम संख्याबल को दर्शाता है। राज्य विधान सभाओं में यह संख्या 10: से भी कम है। देश की पहली लोकसभा 1952 में यह प्रतिशत 5: से भी कम रही तब केवल 24 महिला सांसद शामिल थी। महिलाओं से जुड़े सवालों को तब तक हल करना संभव नहीं है जब तक महिलाएं उन सवालों को खुद हल करने में शामिल न होंगी। देश की पंचायतों से बेहतर उदाहरण भला क्या हो सकता है, जिसमें महिला सशक्तिकरण के बेहतरीन उदाहरण देखें जा सकते हैं। आंकड़ों की मानें तो वैश्विक राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 24: सांसदों का है। महिला आरक्षण विधेयक महिलाओं से जुड़े सवालों को हल करने में एक सशक्त साधन के रूप में देखा समझा जाना चाहिए। जिसे जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए ताकि महिला सशक्तिकरण की राह में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सके। जब हमारी संसद में महिलाओं की संख्या ज्यादा होगी तो महिला मुद्दों पर मजबूती से बहस हो सकेगी। पंचायती स्तर पर महिलाओं में हुए कमाल के परिवर्तन बताते हैं की जब राष्ट्रीय स्तर पर महिलाएं बढ़–चढ़कर हिस्सा लेंगी तो उनसे जुड़े सवालों को न केवल हल करना आसान होगा बल्कि अपराधों में भी कमी आएगी। महिलाओं का समाज में पोषण स्तर बढ़ेगा, समाज के नीति निर्माण में महिलाओं की भागीदारी होना आवश्यक है। यद्धपि यह महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए एक मात्र उपाय नहीं है बल्कि इसके अलावा भी सरकार को और मजबूत कोशिशें शुरू करनी होगी। समाज में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने की भी जरूरत है।

नारीशक्ति कानून भाजपा की 'एडवांस प्लानिंग' है

2024 का चुनाव भाजपा जीते या हारे, महिलाओं को आरक्षण के मुद्दे पर मुहर लगाना जरूरी था। भाजपा ने संसद के विशेष सत्र में नारीशक्ति वंदन विधेयक प्रस्तुत कर एडवांस प्लानिंग की शुरुआत की है। सरकार इस कानून के लिए कटिबद्ध थी। इसलिए उसको आखिरी क्षण तक जाहिर नहीं किया, ताकि कोई विनसंतोषी बिना वजह कोर्ट जाकर अड़चन पैदा न करे। इसमें कोई शक नहीं है कि अब नरेंद्र मोदी अपनी हर चुनावी रैली में इसका क्रेडिट लेते रहेंगे। लोकसभा के 2024, 2029 और 2034 के चुनाव अगर समय पर हुए तो भाजपा, कांग्रेस और बाकी सभी पार्टियों को अब स्त्री उम्मीदवारों को पार्टी में तालीम देने, आगे बढ़ने का मौका देने और देश भर में एक भूमिका तैयार करने का काम शुरू कर देना पड़ेगा।

शीला भट्ट

हमारा जमाना चुपके–चुपके लेकिन खूबसूरती से बदल रहा है। आजकल किसी भी मध्यम वर्ग के पिता से मिलो तो वो कहते हुए सुनाई देते हैं, 'बीवी तो मान गई, अब बेटी को मनाना है!' बेटियां अब पापा को हर छोटी–बड़ी चीज में डिक्टेट कर रही हैं, पापा से डिमांड कर रही हैं। देशभर में जाने कितने समाजों में लड़कों से ज्यादा लड़कियां पढ़–लिख रही हैं। जिनकी जिंदगी सामान्यतः सुख में चल रही है, उन्हें भी एक चिंता ये है कि लड़कियां अगर ज्यादा पढ़–लिख लें तो शादी के लिए सही लड़का मिलने में मुश्किलें आएंगी। शायद ये बदलाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समझ लिया है। भाजपा और विपक्ष ने बढ़–चढ़कर नारीशक्ति वंदन अधिनियम के पक्ष में वोटिंग की है। लोकसभा में स्त्रियों के आरक्षण के पक्ष में 454 वोट गिरे, खिलाफ में सिर्फ दो वोट रहे। राज्यसभा में तो यह संपूर्ण बहुमत से पास हो गया। लोग पूछ रहे हैं आखिर मोदी को क्या जरूरत थी स्त्रियों को चुनाव में 33: आरक्षण देने की, जबकि कानूनी दिक्कतों के कारण 2024 के चुनाव में 33: आरक्षण देना संभव नहीं है। मामला साफ है। समाज में आता बदलाव मोदी को साफ दिखाई दे रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि मोदी और भाजपा महिलाओं के सशक्तीकरण के साथ खुद को जोड़कर राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं। लेकिन इससे भी जरूरी बात यह है कि चुनावी–राजनीति में महिलाओं के आरक्षण को समर्थन दिए बिना मोदी की विरासत एक सर्वसमावेशी और सर्वहितपोषक प्रधानमंत्री की नहीं बन सकेगी। और वैसे भी संघ परिवार में मुद्दों के साथ जुड़ जाने व उन पर हक जताने की काबिलियत वर्षों से है। 2024 का चुनाव भाजपा जीते या हारे, महिलाओं को आरक्षण के मुद्दे पर मुहर लगाना जरूरी था। भाजपा ने संसद के विशेष सत्र में नारीशक्ति वंदन विधेयक प्रस्तुत कर एडवांस प्लानिंग की शुरुआत की है। सरकार इस कानून के लिए कटिबद्ध थी। इसलिए उसको आखिरी क्षण तक जाहिर नहीं किया, ताकि कोई विनसंतोषी बिना वजह कोर्ट जाकर अड़चन पैदा न करे। इसमें कोई शक नहीं है कि अब नरेंद्र मोदी अपनी हर चुनावी रैली में इसका क्रेडिट लेते रहेंगे। लोकसभा के 2024, 2029 और 2034 के चुनाव अगर समय पर हुए तो भाजपा, कांग्रेस और बाकी सभी पार्टियों को अब स्त्री उम्मीदवारों को पार्टी में तालीम देने, आगे बढ़ने का मौका देने और देश भर में एक भूमिका तैयार करने का काम शुरू कर देना पड़ेगा। आखिर हर लोकसभा चुनाव में 181 सीटों पर स्त्री उम्मीदवारों की आवश्यकता होगी और सभी पार्टियों के उम्मीदवारों को गिनें तो कम से कम 1000 से ज्यादा स्त्रियों को संसद के लिए चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा। राज्य के चुनावों में हर पांच साल में सभी पक्षों के उम्मीदवारों को गिना जाए तो आरक्षित सीटों पर कम से कम पांच हजार स्त्रियों को चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा। सभी विधानसभाओं में 1200 से ज्यादा सीटें आरक्षित हो जाएंगी। लेकिन सरकार चाहे जो कहे, स्त्रियों को 2029–31 से पहले आरक्षण कतई नहीं मिलना है। लेकिन नारीशक्ति वंदन कानून इतना ऐतिहासिक है कि इसके क्लाइमैक्स के लिए 6 या 8 साल की देरी कुछ ज्यादा नहीं। सभी पार्टियों को ये समझ लेना चाहिए कि नारियों के आरक्षण का मुद्दा अब चुनावी जुमले से आगे बढ़ चुका है। मोदी का शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं के समक्ष भाषण यही दिखलाता है कि समाज में आए बदलाव को वे किसी भी हालत में नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। कई लोग इस कानून के लागू होने के बाद जो बदलाव आगामी चार या पांच दशकों में आने वाले हैं, उनका अंदाजा नहीं लगा पा रहे हैं। ये बात समझ लीजिए कि बहुत कम पुरुष सांसदों ने खुशी से इस कानून के सपोर्ट में वोट दिया है। जो राजनेता अपने–अपने क्षेत्रों में बड़े मजबूत हैं और उन्हें अपनी जागीर मान बैठे हैं, वो सब इस कानून के विरोधी हैं। संसद के विशेष सत्र में जब इस पर चर्चा शुरू हुई तब कई पुरुष सांसदों ने अपना डर व्यक्त भी किया था। कांग्रेस को अच्छी तरह पता है कि सोनिया गांधी की इच्छा के बावजूद कांग्रेस अपने शासनकाल में नारियों को आरक्षण नहीं दे पाई थी, क्योंकि पुरुष सांसद अंदर से उसका विरोध कर रहे थे। उस समय पिछड़े वर्ग की स्त्रियों का आरक्षण का मुद्दा उठाना एक सोची–समझी चाल थी। लेकिन भारत में कोई परिवर्तन धड़ाके से नहीं आता, धीरे–धीरे ही आता है। आज नारियों को आरक्षण मिला है तो कल पिछड़े वर्ग की महिलाओं को भी मिलेगा। भारतीय समाज में नारी गजब का संघर्ष करके अब उस मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां उसे इस आरक्षण के लिए किसी को नहीं सिर्फ अपने आप को अभिनंदन देना है। ये बात समझ लीजिए कि बहुत कम पुरुष सांसदों ने खुशी से महिला आरक्षण कानून के सपोर्ट में वोट दिया है। जो राजनेता अपने–अपने क्षेत्रों में बड़े मजबूत हैं और उन्हें अपनी जागीर मान बैठे हैं, वो सब मन ही मन इसके विरोधी हैं। 2024 का चुनाव भाजपा जीते या हारे, महिलाओं को आरक्षण के मुद्दे पर मुहर लगाना जरूरी था। भाजपा ने संसद के विशेष सत्र में नारीशक्ति वंदन विधेयक प्रस्तुत कर एडवांस प्लानिंग की शुरुआत की है। सरकार इस कानून के लिए कटिबद्ध थी। इसलिए उसको आखिरी क्षण तक जाहिर नहीं किया, ताकि कोई विनसंतोषी बिना वजह कोर्ट जाकर अड़चन पैदा न करे। इसमें कोई शक नहीं है कि अब नरेंद्र मोदी अपनी हर चुनावी रैली में इसका क्रेडिट लेते रहेंगे। लोकसभा के 2024, 2029 और 2034 के चुनाव अगर समय पर हुए तो भाजपा, कांग्रेस और बाकी सभी पार्टियों को अब स्त्री उम्मीदवारों को पार्टी में तालीम देने, आगे बढ़ने का मौका देने और देश भर में एक भूमिका तैयार करने का काम शुरू कर देना पड़ेगा। आखिर हर लोकसभा चुनाव में 181 सीटों पर स्त्री उम्मीदवारों की आवश्यकता होगी और सभी पार्टियों के उम्मीदवारों को गिनें तो कम से कम 1000 से ज्यादा स्त्रियों को संसद के लिए चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा। राज्य के चुनावों में हर पांच साल में सभी पक्षों के उम्मीदवारों को गिना जाए तो आरक्षित सीटों पर कम से कम पांच हजार स्त्रियों को चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा। सभी विधानसभाओं में 1200 से ज्यादा सीटें आरक्षित हो जाएंगी। लेकिन सरकार चाहे जो कहे, स्त्रियों को 2029–31 से पहले आरक्षण कतई नहीं मिलना है। लेकिन नारीशक्ति वंदन कानून इतना ऐतिहासिक है कि इसके क्लाइमैक्स के लिए 6 या 8 साल की देरी कुछ ज्यादा नहीं।

सभी पार्टियों को ये समझ लेना चाहिए कि नारियों के आरक्षण का मुद्दा अब चुनावी जुमले से आगे बढ़ चुका है। मोदी का शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं के समक्ष भाषण यही दिखलाता है कि समाज में आए बदलाव को वे किसी भी हालत में नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। कई लोग इस कानून के लागू होने के बाद जो बदलाव आगामी चार या पांच दशकों में आने वाले हैं, उनका अंदाजा नहीं लगा पा रहे हैं। ये बात समझ लीजिए कि बहुत कम पुरुष सांसदों ने खुशी से इस कानून के सपोर्ट में वोट दिया है। जो राजनेता अपने–अपने क्षेत्रों में बड़े मजबूत हैं और उन्हें अपनी जागीर मान बैठे हैं, वो सब इस कानून के विरोधी हैं। संसद के विशेष सत्र में जब इस पर चर्चा शुरू हुई तब कई पुरुष सांसदों ने अपना डर व्यक्त भी किया था। कांग्रेस को अच्छी तरह पता है कि सोनिया गांधी की इच्छा के बावजूद कांग्रेस अपने शासनकाल में नारियों को आरक्षण नहीं दे पाई थी, क्योंकि पुरुष सांसद अंदर से उसका विरोध कर रहे थे।

जर्मनी में नव-नाजीवाद पर बनाई जा रही हैं फिल्में

तुर्की मूल के जर्मन फिल्मकार फतिह अकीन ने कई मंचों पर अमेरिकी प्रशासन पर आरोप लगाया है कि उनके सैन्य मुख्यालय पेंटागन के कहने पर हालीवुड में ऐसी फिल्में बन रही हैं, जो ग्वांतानामो जेल में बंद राजनीतिक कैदियों की प्रताड़ना के मामले को रफा–दफा कर दें। एक जमाने में हिटलर के इशारे पर जर्मनी में ऐसी फिल्में बनी थीं, जो नाजी प्रशासन की करतूतों को न्यायोचित ठहराती थीं। लेकिन स्टीवन स्पीलबर्ग की एक ही फिल्म 'शिंडलर्स लिस्ट' ने इन कोशिशों पर पानी फेर दिया था। हालांकि फतिह खुद ऐसी राजनीतिक फिल्में बना रहे हैं। उनकी पिछली फिल्म 'इन द फेड' इस्लामी आतंकवाद के दौर में जर्मनी में नव–नाजीवाद के उभार पर है। यह उस दौर पर है, जब 2001–2007 के दौरान हिटलर से प्रेरित 'नेशनल सोशलिस्ट अंडरग्राउंड' (एनएसयू) ने बड़े पैमाने पर गैर–जर्मनों की हत्याएं की थीं। फिल्म के प्रदर्शन के बाद उनके विरोधियों ने पूछा था कि इस्लामिक स्टेट पर वे चुप क्यों हैं? अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश का विरोध करने के कारण 2006 में फतिह को जर्मन पुलिस की जांच का सामना करना पड़ा था। जर्मनी में गैर–जर्मन लोगों के साथ हो रहे भेदभाव पर फतिह लगातार फिल्में बनाते रहे हैं। जर्मन सिनेमा का गौरवशाली इतिहास रहा है जो आज भी जारी तो है, पर उसकी गति फ्रांस, इटली और दूसरे यूरोपीय देशों की तुलना में इस समय थोड़ी धीमी हो गई है। इस समय विश्व सिनेमा में जर्मनी की चर्चा कई कारणों से फतिह की फिल्मों के कारण ही हो रही है। भारत में वे अनुराग कश्यप और उनकी पीढ़ी के फिल्मकारों के रोल मॉडल हैं। शायद इसकी वजह उनका वह सिनेमाई मुहावरा है, जिसमें वे सेक्स, नशा, हिंसा व अराजक स्थितियों के बीच प्रतिरोध का रंग भर देते हैं। अनुराग की पहल पर वे अपनी फिल्म 'सोल किचन' लेकर एनएफडीसी के फिल्म–बाजार में गोवा आए थे। उनकी पिछली फिल्म 'गोल्डन ग्लव' की पश्चिम के फिल्म समीक्षकों ने तीखी आलोचना करते हुए उसे 'वीभत्स, निर्मम और स्तरहीन' तक कह डाला था। यह फिल्म हाईंज स्ट्रंक के जर्मन उपन्यास पर आधारित है। यह एक सीरियल किलर फ्रिट्ज होंका के बारे में है, जिसने 1970–75 के दौरान कम से कम चार गैर–जर्मन महिलाओं के शरीर के टुकड़े करके उन्हें अपने घर में सजा रखा था। 'गोल्डन ग्लव' हैम्बर्ग के रेड लाइट एरिया में एक पब का नाम है, जहां से फ्रिट्ज होंका अपने शिकार चुनता था। 2013 में म्यूनिख में एनएसयू पर चर्चित मुकदमा भी चला था। ऐसे मामलों में जर्मन पुलिस अक्सर हत्यारों को सजा दिलाने के बजाय मारे गए लोगों पर ही ड्रग और जुए का आरोप लगा देती थी। फिल्म 'इन द फेड' में जर्मन गोरी महिला कात्जा सेकेर्सी का सुखमय जीवन उस समय बरबाद हो जाता है, जब एक आतंकवादी बम विस्फोट में उसका तुर्की मूल का पति नूरी सेकेर्सी और बेटा रोक्को मारे जाते हैं। जर्मन पुलिस का मानना है कि यह हमला तुर्की या कुर्दिश माफिया द्वारा पैसों के लिए निजी झगड़े का नतीजा है। नूरी एक नामी ड्रग डीलर रहा है, जो कात्जा से शादी के बाद सुधरकर तुर्की–कुर्दिश समुदाय को कानूनी सहायता देने का काम करता है। तभी पुलिस उस लड़की को पकड़ लेती है, जिसने बम विस्फोट किया था। वह एनएसयू की सदस्य है। कोर्ट में गलत गवाही, कात्जा के ड्रग टेस्ट की मांग और बहस को दांव–पेंच में उलझाकर अपराधी बरी हो जाते हैं। कात्जा एक बार आत्महत्या करने की कोशिश भी करती है, लेकिन तभी वह खुद ही बदला लेने का मुश्किल निर्णय लेती है। वह आत्मघाती बम बनकर ग्रीस में हत्यारों का पीछा करती है और एक दिन खुद के साथ उन्हें भी बम से उड़ा देती है। जर्मन अभिनेत्री डियान क्रुगर को इस फिल्म के लिए 70वें कान फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला था। फतिह अकीन ने यहां अपनी पिछली फिल्मों से अलग ड्रामा पेश किया है। फिल्म तीन अध्यायों में है– परिवार, न्याय और समुद्र। डियान क्रुगर ने पति और बेटे को खो देने के दर्द को वैश्विक अभिव्यक्ति दी है। फिल्म के पहले दृश्य जेल में नूरी से शादी से लेकर आत्मघाती बम विस्फोट तक पटकथा कसी हुई है। कात्जा का मृत पति–बेटे के लिए खुद ही ताबूत खरीदने का दृश्य हिला देने वाला है। उसका बार–बार बच्चे का पुराना वीडियो देखना, दुख की इंतेहा से बचने के लिए ड्रग लेना और बम विस्फोट के बाद पूरी फिल्म में नीली आंखों का ठंडापन डराता है। पर यह सवाल तो फिर भी बना हुआ है कि इस्लामी आतंकवाद के इस दौर में जर्मन नव–नाजीवाद पर फिल्म बनाकर फतिह अकीन ने क्या कोई वैकल्पिक राजनीतिक वक्तव्य देने की कोशिश की है?

पुलिस ने तीन नफर वारंटियों को किया गिरफ्तार

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'
'पाली–(हरदोई)' जनपद में अपराध नियंत्रण व अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक केशव चंद्र गोस्वामी के कुशल निर्देश में चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी दुर्गेश सिंह के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकार शाहाबाद हेमंत उपाध्याय के कुशल नेतृत्व में थाना पाली पुलिस ने रविवार को थाना क्षेत्र के अलग–अलग स्थानों से 03 नफर वारंटीयों को उनके घर के बाहर से गिरफ्तार कर सफलता प्राप्त की। अपराधियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक संदीप तिवारी, उपनिरीक्षक श्रीपति मौर्य, उपनिरीक्षक आर0के0 शुक्ला, हेड कांस्टेबल राजेश कुमार, कांस्टेबल बृजेन्द्र कुमार, असलम,अरुण कुमार, अमित चौधरी, व कांस्टेबल गुंजन गिल की संयुक्त पुलिस टीम ने नफर वारंटी राजू(40) दुबे पुत्र रामरूप दुबे निवासी ग्राम कनकापुर,मुन्ने (60) पुत्र श्याम सुंदर निवासी ग्राम चकौती खुर्द, कल्लू उर्फ राजकुमार (48) पुत्र लज्जू उर्फ लज्जाराम निवासी ग्राम चकौदी खुर्द थाना पाली को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए मा0 न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

स्टेशन परिसर में सक्रिय दलालो से निपटना नवागत प्रभारी निरीक्षक की प्रथम चुनौती

दलालों व अराजक तत्वों पर अंकुश लगाना प्रमुख प्रथामिकता - राकेश राय

अयोध्या।पिछले महीने सरयू एक्सप्रेस में बदमाशों द्वारा महिला कांस्टेबल पर किए गए हमले पर जीआरपी,आरपीएफ की जमकर किरकिरी हुई थी। इस मामले प्रथम दृष्टया थाना जीआरपी अयोध्या कैंट पप्पू यादव को निलंबित कर उनकी जगह प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन पर तैनात प्रभारी निरीक्षक राकेश राय की तैनाती हुई।उन्होंने बताया कि भविष्य में किसी भी ट्रेन व स्टेशन परिसर में इस तरह की दुबारा घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए रणनीति बनाई जा रही है। इसके लिए वे जीआरपी कर्मियों के अलावा मुखबिर व खूफिया लोगों के साथ बैठक कर रहे हैं।उन्होंने बताया कि जिससे इस तरह की आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।ट्रेनों व स्टेशन परिसर में समय समय चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।इस दौरान जो भी संदिग्ध अवस्था में दिखाई दे रहा है उससे पूछताछ की जा रही है।उन्हें तभी छोड़ा जा रहा है जब वे संतोषजनक जवाब दे रहे हैं।फिलहाल चाहे जो भी दावा जीआरपी पुलिस कर रही हो वे सभी खोखले साबित हो रहे हैं। क्योंकि जीआरपी व आरपीएफ पुलिस कर्मियों की शह पर आरक्षण खिड़की के पास सुबह से ऐसे दलाल सक्रिय रहते हैं जो विभिन्न ट्रेनों में आरक्षण के लिए आरक्षण कराने आने वाले लोगों से भारी रकम वसूलते दिखाई दे रहे हैं।यही दशा वहां पर गुजरने वाली ट्रेनों पर सूत्रों के मुताबिक चंद पैसे लेकर जनरल डिब्बों में यात्रियों को पहले से बैठे यात्रियों को उठाकर बैठा देते हैं।वही स्टेशन परिसर में अवैध रूप से संचालित वेंडर भी चल रहे हैं जिस पर जीआरपी व आरपीएफ पुलिस कर्मी रोक लगाने में निष्क्रिय दिखाई दे रहे हैं।इस संबंध में नवागत जीआरपी प्रभारी निरीक्षक कैंट रेलवे स्टेशन अयोध्या राकेश कुमार राय ने बताया कि स्वयं इस मामले में ध्यान देगे। इसके अलावा वे शीघ्र ही इस गंभीर समस्या का निराकरण करेगे जिससे इस स्टेशन पर आने रेल यात्रियों को कोई परेशानी न हो।

माध्यमिक स्तर के गृहविज्ञान शिक्षको की क्षमता संवर्धन हेतु प्रशिक्षण प्रारम्भ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। महानिदेशक स्कूल शिक्षा श्री विजय किरण आनंद के निर्देशानुसार राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद उत्तर प्रदेश की इकाई कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन (सीटीई) लखनऊ द्वारा समग्र शिक्षा योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023–24 में प्रस्तावित गतिविधियों के अंतर्गत दिनांक 25 सितंबर से 27 सितंबर तक माध्यमिक शिक्षकों हेतु गृहविज्ञान प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय फेरे का आयोजन उद्यमिता विकास संस्थान, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में किया जा रहा है .

प्रदेश में प्रथम बार गृह विज्ञान विषय के माध्यमिक शिक्षकों (कक्षा 9–10) की क्षमता संवर्धन , कक्षा शिक्षण मे नवाचार, टी ल एम , प्रोजेक्टर का उपयोग एव इस विषय के नवीन रोजगार के अवसरों की जानकारी के प्रसार हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

प्राचार्य कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन सीटीई लखनऊ श्री विष्णु श्याम द्विवेदी द्वारा आज कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

प्रशिक्षण की संयोजक डॉक्टर जीविका रस्तोगी द्वारा प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्य से अवगत कराते हुए सभी शिक्षकों को गृह विज्ञान विषय के दैनिक जीवन में उपयोग के महत्व को बताते हुए शिक्षकों को निष्ठा से प्रशिक्षण लेने हेतु प्रेरित किया जिससे वह प्रशिक्षण को आत्मसात करके अपने विद्यालय में इसका उपयोग कर सके। प्रशिक्षण प्रभारी श्रीमती गीतान्जली यादव द्वारा प्रदेश के सीटीई के बारे में बताया गया

कार्यक्रम में उद्यमिता संस्थान के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री अखिलेशजी भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण हेतु जनपद बुलन्दशहर, बदांयु और लखनऊ के माध्यमिक विद्यालयों की गृह विज्ञान शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम मे संदर्भदाता के रूप में सुश्री रीना रानी प्रवक्ता, डायट, बुलंदशहर , डॉक्टर फेमीना, प्रवक्ता, डाइट बरेली और डॉक्टर निधि अवस्थी, प्रवक्ता डाइट औरैया ने सक्रिय प्रतिभाग किया। कार्यक्रम आयोजन में सीटीई की श्रीमती भावना रस्तोगी, श्री चंदन चौधरी एवम् श्री आब्दी द्वारा सक्रीय सहयोग किया गया।

नवरात्र, दशहरा व दिवाली पर न लें शटडाउन

लखनऊ (संवाददाता)। ऊर्जा विभाग में नवरात्र, दशहरा और दिवाली पर उपभोक्ताओं को निर्बाधा बिजली आपूर्ति का आदेश दिया गया है। विभागीय अधिकारियों को इस दौरान शटडाउन नहीं लेने का निर्देश दिया गया है। यह भी कहा गया है कि सभी अनुरक्षण कार्य त्योहार से पहले पूरा कर लिया जाए। पावर कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार ने जारी आदेश में कहा है कि अक्तूबर माह में नवरात्र, दशहरा पड़ रहा है। इसके बाद दिवाली का पर्व पड़ेगा। ऐसे में उपभोक्ताओं को बिजली कटौती का सामना न करना, इसके लिए अभी से पुख्ता इंतजाम किए जाएं। अनुरक्षण कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाए ताकि लोगों को निर्बाध बिजली मिल सके। इसी तरह उन्होंने आरडीएसएस सहित अन्य योजनाओं में चल रहे कार्यों के संबंध में भी आदेश जारी किया है। इसमें कहा कि योजनाबद्ध शटडाउन के मामले में तीन दिन पहले कार्ययोजना बना लिया जाए।

हिंदी माह के अंतर्गत केनरा बैंक में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। केनरा बैंक के अंचल कार्यालय में हिंदी माह के अंतर्गत हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव श्री हरिओम (आई ए एस) ने शिरकत की। अंचल प्रमुख एवं महा प्रबंधक आलोक कुमार अग्रवाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। उप महाप्रबंधक संजय कुमार ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। श्री हरी ओम जी ने कैलाश मानसरोवर यात्रा आस्था के वैचारिक आयाम पर पुस्तक लिखी। वे एक लेखक के साथ साथ बहुत अच्छे गायक हैं जिनके द्वारा कई म्यूजिक एल्बम मार्केट में धूम मचा रहे हैं। बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व प्रशासनिक नौकरी के साथ साथ वे अपने शौक दोनो को पूरा करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने हिंदी भाषा के उपयोग को बड़ी सरलता से समझाया।

बैंक में हिंदी माह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम जैसे बैंकिंग शब्दावली, क्विज प्रतियोगिता, निबंध, टिप्पण लेखन एवं अंताक्षरी का आयोजन किया गया। सी आई बी एम के तहत क्विज प्रतियोगिता में अंचल कार्यालय के तुलन अनुभाग के वरिष्ठ प्रबंधक सर्व मित्र भट्ट ने लखनऊ अंचल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उपमहाप्रबंधक लोकनाथ ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

दिव्यांगों को उपकरण एवं रोजगार देकर आत्म निर्भर बनाया जा रहा है- माधवेन्द्र प्रताप सिंह

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'
'हरदोई–' सोमवार को दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों हेतु भारत सरकार की एडिप एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अन्तर्गत सवायजपुर तहसील सभागार में आहूत निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि मा0 विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया तथा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान किये। इस अवसर पर कुल पंजीकृत 81 दिव्यागों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराये गये।

विधायक ने उपस्थित दिव्यांगजनों आदि को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार ने देश के समस्त दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने का संकल्प लिया है और इसी कड़ी में दिव्यांगों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें रोजगार आदि के माध्यम से आत्म निर्भर बनाया जा रहा है। उन्होने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपद में ब्लाकवार दिव्यांगजन पंजीकरण शिविर का आयोजन कराकर छूटे दिव्यांगों का पंजीकरण कराकर उन्हें भी उनकी आवश्यकतानुसार सहायक उपकरण उपलब्ध करायें। इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी जगदीश लखेरा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष एडिप योजना के तहत एलिम्को द्वारा चिन्हित दिव्यांगों को मोटराइज साइकिल व ट्राइ साइकिल, सीपी केयर, कान मशीन, कृत्रिम अंग, सुगम्य छड़ी, वैशाखी आदि सहायक उपकरणों का वितरण कराया जाता है।

कार्यक्रम में विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह, उप जिलाधिकारी डॉ अरुणिमा श्रीवास्तव,प्रभारी निरीक्षक सवायजपुर सुनील सिंह रजनीश त्रिपाठी, एलिम्को कंपनी के पदाधिकारी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गांव- गांव घूम रहा जागरूकता रथ, योजनाओं पर लगे पँख

तिलक चंदन व माला पहनाकर हरिजन महिला की उतारी आरती

बीडीओ ने अपने अनूठे अभियान को नाम दिया बीएडी

'ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय'
'धाता फतेहपुर।–' सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए रविवार को बीडीओ धाता ने जहांगीर नगर गहुरा गांव में जाकर अपने अभियान को आगे बढ़ाया। बीडीओ ने अपने अभियान का नाम रखा बीएडी(बीडीओ ऐट द डोर) रविवार को ओडीएफ प्लस गांव जहांगीर नगर में समूह की महिलाओं को बताया कि आप लोग छोटे –छोटे उद्योग स्थापित कर स्वालंबी बनिए। समूह से आप लोगों को जो भी सहायता मिलती है उसका भरपूर उपयोग करिए। उन्होंने बताया कि थोड़ा –थोड़ा करके ही धन का संचयन कर आदमी बड़ा बनता है। आप सभी लोग शर्म व संकोच को दूर कर छोटे –छोटे उद्यम स्थापित करिए। जिससे आप आत्म निर्भर होंगे। बीडीओ अजय कुमार तिवारी ने रविवार को अपनी ओर से जागरूकता रथ के साथ–साथ तख्ती व पैड में स्लोगन लिखवाकर गांव–गांव में भ्रमण करके लोगों को जागरूक किया। साथ ही सभी ग्रामीणों को घर –घर जाकर बताया कि आपका गांव ओडईएफ हो गया है। आप लोग अपने गांव को स्वच्छ बनाने में पूरी मदद करें और समूह से जुड़े। वहीं उन्होंने कहा कि आप सभी लोग गांव में लगे कूडादान में ही कूड़ा–करकट फेंके। बीडीओ ने गांव में भ्रमण के दौरान लोगों को जागरूक करने के लिए स्वयं ही नाली से कचरा निकालकर सफाई की। जिसको देख ग्रामीणों ने बीडीओ के हाथों से फावड़ा छीनकर खुद नाली की सफाई की। स्वयं का कॉन्सेप्ट तैयार कर गांव के युवाओं व बेरोजगारों को उद्यम लगाने के लिए प्रेरित किया। बीडीओ ने शासन की समस्त योजनाओं की जानकारी देने के लिए एक रथ तैयार किया है। जिसमें स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर, बैंक कर्मी, बीडियो आदि लोग रोजाना गांव में भ्रमण कर विभाग की समस्त योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाएंगे। बीडीओ अजय कुमार तिवारी ने बताया कि लोग गांव में हरिजन को बहुत ध्येय की दृष्टि से देखते हैं। लोगों को समझाने के लिए उन्होंने गांव में प्रवेश कर सबसे पहले हरिजन को ग्राम देवता का नाम देकर तिलक चंदन के साथ माला पहनाकर उनका स्वागत कर उनके प्रति ग्रामीणों को नजरिया बदलने की बात कही।

उन्होंने बताया कि उनके अभियान का मतलब है कि ग्रामीणों को शासन की समस्त निरूशुल्क योजनाओं की जानकारी दी जाए और गांव में मिलने वाले प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास में अराजनैतिक द्वारा अधिकारियों का नाम बता कर अवैध वसूली की जाती है जिससे ग्रामीण जनता अनजान होती है उन सब बातों से ग्रामीणों को अवगत कराएंगे। उन्होंने अपने ही खर्चे से गांव– गांव में पर्चे छपवाकर ग्रामीणों को बांटने का काम किया ।

विश्व नदी दिवस के अवसर पर समाज के प्रबुद्ध जनों को गंगा जी का चित्र अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। गंगा समग्र अवध प्रांत लखनऊ इकाई द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 24 सितंबर को घोषित विश्व नदी दिवस के अवसर पर लखनऊ में गोमती के तट पर स्थित विभिन्न घाटो की सफाई की गई लखनऊ में स्थित कुड़िया घाट पर आरती व गोष्ठी कर जनमानस को अपनी नदियों के प्रति मातृत्व भाव रखने का आव्हान किया गया।इस कार्यकम महानगर के सभी लोग पांच पांच दीपक लेकर आए थे उन लोगों ने दीपक जलाकर आदि गंगा गोमती माता को स्वच्छ रखने हेतु गंगा समग्र से जुड़कर कार्य करने का संकल्प लिया। लखनऊ में गोमती तट पर स्थित रिवर फ्रंट पर मासिक आरती सफाई का कार्यक्रम अनवरत जारी रहेगा।विश्व नदी दिवस के अवसर पर समाज के प्रबुद्ध जनों को गंगा जी का चित्र अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के आयोजक प्रांत में आरती आयाम प्रमुख गोमती भाग के संयोजक अनुराग पाण्डेय आए हुए अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः गोमती सफाई अपरान्ह में रंगोली प्रतियोगिता सायँ संगीतमय सुंदरकांड तथा भजन संध्या से हुआ कार्यक्रम में मातृशक्ति के साथ अन्य प्रबुद्ध लोगों व मुख्य अतिथि डॉ विवेक तांगड़ी जी काली जी के महंत स्वामी हंसानन्द जी महाराज पंडित कृष्णा शर्मा प्रांत संयोजक तीर्थराज संगठन मंत्री लालजी भाई गंगा सेविका आयाम प्रमुख डॉ दिव्या पाण्डेय प्रांतीय संपर्क प्रमुख गंगा सेविका श्वेता सिंह सहायक नदी आयाम के प्रमुख उमेश द्विवेदी वृक्षारोपण आयाम के प्रमुख संजीव श्रीवास्तव गंगा सेविका आयाम सह–संयोजक सोनी सिंह प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य मनीष सिंह संयोजक दक्षिण लखनऊ रुद्र देव संयोजक पश्चिम लखनऊ सनी साहू जी जल निकासी आयाम गंगा सेविका की प्रमुख लता बंसल जी स्वास्थ्य आयाम सेविका की प्रमुख प्रेम सुता गोमती भाग के सह संयोजक दिनेश शुक्ला महात्मा मेमोरियल इंटर कॉलेज के प्रबंधक पंकज मिश्रा ब्राइट कैरियर स्कूल की विनीता त्रिपाठी कुटीर उद्योग खादी ग्रामोद्योग विभाग अपर निदेशक एस के पांडे आई बी के पूर्व अधिकारी एस पाण्डेय सामाजिक सद्भाव उत्तर भाग लखनऊ के संयोजक सुधीर पाण्डेय श्रवण बाजपेई विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष केशव नगर सुनील मिश्रा बजरंग दल संयोजक केसवनगर सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

दिव्यांगों को उपकरण एवं रोजगार देकर आत्म निर्भर बनाया जा रहा है-जय प्रकाश रावत

'छूटे दिव्यांगों का पंजीकरण कराकर उन्हें भी सहायक उपकरण उपलब्ध करायें-सांसद'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'
'हरदोई–' रविवार को दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों हेतु भारत सरकार की एडिप एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अन्तर्गत स्थानीय आई0टी0आई0 के सभागार में आहूत निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि मा0 सांसद जय प्रकाश रावत ने दीप प्रज्जवलित कर किया तथा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान किये। इस अवसर पर कुल पंजीकृत 133 दिव्यागों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराये गये।

सांसद जय प्रकाश रावत ने उपस्थित दिव्यांगजनों आदि को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार ने देश के समस्त दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने का संकल्प लिया है और इसी कड़ी में दिव्यांगों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें रोजगार आदि के माध्यम से आत्म निर्भर बनाया जा रहा है। उन्होने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपद में ब्लाकवार दिव्यांगजन पंजीकरण शिविर का आयोजन कराकर छूटे दिव्यांगों का पंजीकरण कराकर उन्हें भी उनकी आवश्यकता अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध करायें। इस अवसर पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के संयुक्त सचिव राजेश यादव ने बताया कि भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष एडिप योजना के तहत एलिम्को द्वारा चिहिन्त दिव्यांगों को मोटराइज साइकिल व ट्राइ साइकिल, सीपी केयर, कान मशीन, कृत्रिम अंग, सुगम्य छड़ी, वैशाखी आदि सहायक उपकरणों का वितरण कराया जाता है।

कार्यक्रम में सांसद, संयुक्त सचिव, उप जिलाधिकारी सदर स्वाती शुक्ला, जनपद के उद्योगपति एवं दानदाता सुमत जैन, सुहाना जैन, जिला दिव्यांग एवं सशक्तीकरण अधिकारी ऋचा गुप्ता, एलिम्को कंपनी के पदाधिकारी सहित प्रदीप पाठक, जितेन्द्र सिंह व अमित वर्मा आदि उपस्थित रहे।

एचपीसीएल के महाप्रबंधक अनुराग श्रीवास्तव पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का केस

लखनऊ (संवाददाता)। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड के महाप्रबंधक, नार्थ सेंट्रल जोन (ऑपरेशंस एंड ड्रिस्ट्रीब्यूशन) अनुराग श्रीवास्तव के खिलाफ सीबीआई, लखनऊ की एंटी करप्शन ब्रांच ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का केस दर्ज किया है। अनुराग श्रीवास्तव पर अप्रैल 2013 से अप्रैल 2017 की अवधि के दौरान लखनऊ में चीफ रीजनल मैनेजर के पद पर तैनात रहने के दौरान बेशुमार संपत्तियां अर्जित करने की शिकायत हुयी थी। इस शिकायत की जांच एचपीसीएल, मुंबई के चीफ विजिलेंस ऑफिसर एके तिवारी ने की थी, जिसमें आरोप सही पाये गये थे। जिसके बाद सीबीआई से अनुराग श्रीवास्तव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का केस दर्ज करने की सिफारिश की गयी थी। विजिलेंस जांच में सामने आया था कि अनुराग श्रीवास्तव और उनके परिजनों के नाम पर 1,22,43,788 रुपये की चल–अचल संपत्तियां हैं, जो कि उनकी आय के समस्त वैध स्रोतों से 92.38 फीसद अधिक है। तत्पश्चात अनुराग श्रीवास्तव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का केस दर्ज करने की सीबीआई से सिफारिश कर दी गयी। दरअसल, एचपीसीएल के विजिलेंस विभाग से अनुराग श्रीवास्तव के खिलाफ लखनऊ में तैनात रहने के दौरान आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत की गयी थी।

बीकापुर तहसील इकाई पत्रकार सम्मेलन हुआ संपन्न

पत्रकारों का सम्मान समारोह संपन्न 60 पत्रकारों का किया गया सम्मान

अयोध्या। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन तहसील इकाई बीकापुर, जनपद अयोध्या द्वारा आयोजित तहसील स्तरीय पत्रकार सम्मेलन एवं सम्मान समारोह ब्लॉक सभागार बीकापुर में बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे बीकापुर के उप जिलाधिकारी राजकुमार पांडे, जिलाध्यक्ष देवबक्श वर्मा, ब्लॉक प्रमुख दिनेश कुमार वर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता व पत्रकार अवध राम यादव ने किया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष देवबक्श वर्मा ने किया स

ष्'वर्तमान परिवेश में ग्रामीण पत्रकारिता की भूमिका' की एक संगोष्ठी भी रखी गई थी। जिसके चलते इस सम्मेलन में भाग लेने आये मुख्य अतिथियों ने अपने–अपने विचार रखें।सम्मेलन के दौरान आए हुए सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र, प्रशस्ति पत्र, पेन, डायरी, व घड़ी देकर किया गया। उपजिलाधिकारी बीकापुर राजकुमार पांडे मुख्य अतिथि ने ने कहां की पत्रकारिता विचारों की अभिव्यक्ति है अभिव्यक्त कैसे होती है सुबह अखबार पढ़ने से पता चल जाता है वर्तमान में प्रति क्षण बदलाव हो रहा है समाज की छोटी बड़ी बातों को लाकर जनता के सामने पत्रकार प्रस्तुत करता है, उसे लिखना पड़ता है और ग्रामीण पत्रकारों को समाचार जिला मुख्यालय तक पहुंचाना पड़ता हैस पत्रकारिता एक चुनौती पूर्ण कार्य है चुनौतियों के बीच रहकर ग्रामीण पत्रकार अपनी लेखनी से ईमानदारी के साथ जनता की समस्याओं को उठाता हैस उन्होंने कहा कि ग्रामीण पत्रकारों की जो भी समस्या आएगी उसका निराकरण किया जाएगा और आपको निराश नहीं होना पड़ेगास

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष देव बक्स वर्मा ने कहा ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की स्थापना 40 वर्ष पहले 8 अगस्त 1982 को बलिया जनपद की गढ़वाल कस्बा में संगठन के संस्थापक बाबू बालेश्वर लाल जी द्वारा किया गया था और आज प्रदेश में पत्रकारों का सबसे बड़ा संगठन हैस ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ कुमार जी द्वारा संगठन को आगे बढ़ाया जा रहा है उन्होंने कहा बाबू बालेश्वर लाल ने कड़े संघर्षों के बीच बहुत त्याग परिश्रम करके उन्होंने संगठन को आज इस मुकाम तक पहुंचाया है। पत्रकारिता कोई व्यवसाय नहीं है बल्कि यह समाज सेवा है। उन्होंने पत्रकारिता को व्यवसाय ना बनाने की सलाह दीस, कहां की ग्रामीण पत्रकारिता शासन प्रशासन और जनता के बीच सेतु का काम करता है और जनता की भलाई के लिए अपनी लेखनी को चलना हैस

ब्लॉक प्रमुख दिनेश कुमार वर्मा अपने विचारों को रखते हुए कहा पत्रकार समाज का आईना होता है। और यह लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होता है ।जो अपनी लेखनी के दम पर समाज में व्याप्त कुरीतियों और भ्रष्टाचार को उजागर करता है ।

बार एसोसिएशन बीकापुर के अध्यक्ष आबाद अहमद ने वर्तमान परिवेश में ग्रामीण पत्रकारों कि भूमिका संगोष्ठी पर अपने विचार को रखते हुए कहा एक पत्रकार ही अपने लेखनी के दम पर एक स्वस्थ और शिक्षित समाज की परिकल्पना निर्धारित करता है ।उन्होंने कहा वर्तमान समय में पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर जो स्थितियां दिन प्रतिदिन घट रही है इसके संबंध में सरकार को कोई कठोर कदम उठाने चाहिए जिससे पत्रकारों की जान माल की सुरक्षा हो सके।

वरिष्ठ अधिवक्ता और पत्रकार शेख मोहम्मद इश्हाक ने ग्रामीण पत्रकार सम्मेलन के दौरान पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा ग्रामीण प्रवेश में पत्रकारों की एक अलग ही अहम भूमिका रहती है जो गर्मी, जाड़ा, वर्षा, में भाग दौड़ करके समाचारों का संकलन करता है।

डॉ दिनेश तिवारी ने ग्रामीण पत्रकारिता के चरित्र चित्रण पर प्रकाश डालते हुए कहा ग्रामीण स्तर पर पत्रकारिता करना बड़ा ही चुनौती पूर्ण है। उन्होंने कहा यदि सामाजिक प्रवेश में देखा जाए तो स्थितियां पहले जैसे नहीं रह गई है। बहुत कुछ उसमें बदलाव आ गया है।

सुनील कुमार सिंह ने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण है हम सबको संगठन को आगे बढ़ाने के लिए ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए आपसी ईर्ष्या दोष को त्याग कर सौहार्द कायम करना चाहिए स हृदय राम मिश्र तहसील अध्यक्ष मिल्कीपुर में कहा कि संगठन की मजबूती में ही हम सबका हित है संगठन जितना मजबूत होगा हम उतने ही मजबूत होंगे संगठन की कार्यकारिणी ही संगठन की रीड होती हैसशासन व प्रशासन से मांग की कि पत्रकार सुरक्षा अधिनियम लागू किया जाए। जिससे आए दिन पत्रकारों पर हो रहे हमले पर प्रतिबंध लगाया जा सके।

„ के.एस. मिश्रा जिला मंत्री ने कहा की आज के बदलते प्रवेश में ग्रामीण पत्रकारिता काफी चुनौती पूर्ण होती जा रही है और सुरक्षा के नाम पर कुछ भी नहीं है जिस कारण हमें अपने को बचाते हुए कार्य करना हैस

अशोक कुमार वर्मा तहसील अध्यक्ष बीकापुर व समारोह के आयोजन ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया और आभार प्रकट किया तथा कहा कि ऐसे ही सहयोग बनाए रखेंस

सम्मेलन के दौरान महिला पत्रकार साथी पूनम सिन्हा, कुमकुम भाग्य, पूनम यादव संध्या सिंह, ने आए हुए मुख्य अतिथियों के सम्मान में स्वागत गीत गाकर पूरे माहौल में चार चांद लगा दिए जिससे सभागार में मौजूद सैकड़ो की संख्या में पत्रकार बंधुओ व संगठन के पदाधिकारी ने ताली बजाकर उनका हौसला अफजाई किया।

बृजेश तिवारी ने कहा कि एक ग्रामीण अंचल का पत्रकार बहुत ही निर्भीक, निडर, होता है जो समाज में रह रहे दबे कुचले वर्ग को अपने लेखनी के दम पर उजागर करता है।

मनोज यादव बृजेश तिवारी गुलशन सिद्दीकी अरुण मिश्रा स्वागत किया इस सम्मेलन के दौरान अधिवक्ता व पत्रकार मनोज यादव, गुलशन सिद्दीकी, फूलचंद कोरी, विजय यादव, मनोज तिवारी,दलजीत , डॉक्टर दिनेश तिवारी, दीपक, अमित सिंह, सुरेंद्र सिंह ,राहुल जायसवाल ,रामनेत वर्मा ,रामजन्म यादव, भगवती वर्मा, संजीव पाठक, कामता शर्मा, राकेश यादव, विजय यादव , संतोष पांडे, मनोज कुमार मिश्रा, संतोष मिश्रा, कृष्ण सिंगार मिश्रा ,सुनील कुमार सिंह जिला उपाध्यक्ष, रामखेलावन नायब तहसीलदार समेत सैकड़ोपत्रकार मौजूद रहे और साथ पत्रकारों को सम्मानित किया गया।

समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष का सपा नेता के अनुज ग्राम प्रधान ने किया स्वागत

सोहावल – अयोध्या। सपा महिला सभा अध्यक्ष जूही सिंह का लखनऊ से अयोध्या एक कार्यक्रम मे शामिल होने जा रही थीं। बीकापुर विधानसभा मे प्रवेश करने पर सपा नेता राघवेंद्र प्रताप सिंह अनूप के अनुज ग्राम प्रधान राजेश प्रताप सिंह की अगुवाई भारी संख्या के समर्थको के बसहा चौराहे पर स्वागत किया गया।भारी समर्थको के हुजूम को देखते हुए श्रीमती सिंह ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव मे सपा का युग है। जनता केंद्र एवं राज्य सरकार की नाकामयाबियो से त्रस्त है। बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सपा की सरकार मे किए गये विकास कार्यो तथा मौजूदा सरकार की नाकामयाबी को जनता तक पहचाना होगा। इस मौके, पर प्रतिभा सिंह मीनाक्षी अग्रवाल सरोज यादव शेखर सिंह दीपक सिंह संतोष सिंह शत्रोहन यादव डब्लू तिवारी शिवम मिश्रा अंकित यादव लवलेश पांडेय दीपक सिंह महेंद्र प्रताप, सिंह विजय प्रताप सिंह पंकज शर्मा संदीप यादव कमल चंद गुप्ता राम चंदर मौर्या गोल्डी सिंह मोलू सिंह दिलावर खान मो अरमान मो शमीम अब्दुल हसन सहित दर्जनो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सामूहिक यौन शोषण व पोक्सो में वांछित दो गिरफ्तार, सामूहिक यौन शोषण व पॉक्सो में नामजद थे दोनो अभियुक्त।

अयोध्या। कोतवाली रुदौली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कूढा सादात तिराहे से सामुहिक यौन शोषण व पॉक्सो के अपराध में नामजद दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली रुदौली पुलिस अपराधियों पर नियंत्रण हेतु अभियान चला रही थी तभी मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि सामूहिक दुष्कर्म का पॉक्सो में नामजद दो अभियुक्त कूढा सादात तिराहा पर है सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र सिंह का0 पंकज यादव, सन्तोष यादव के साथ मौके पर पहुँच दोनों नामजद अभियुक्त मिटरू पुत्र सुंदरलाल, लेखराज पुत्र रामसागर निवासीगण फिरोजपुर पवारान को गिरफ्तार कर लिया ।बताते चलें कि दोनों अभियुक्त गिरफ्तारी की दर से इधर उधर चला गया था जिसकी गिरफ्तारी हेतु लगातार दबिश दी जा रही थी जिसको मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया गया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर में आयोजित हुआ आयुष्मान मेला।

बीकापुर–अयोध्या। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर में रविवार को आयुष्मान भव कार्यक्रम के तहत साप्ताहिक स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। ब्लॉक प्रमुख दिनेश कुमार वर्मा ने फीता काट कर मेले का शुभारंभ किया। मेले में अलग–अलग स्वास्थ्य काउंटर पर चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा जरूरतमंदों का आयुष्मान कार्ड और दवा का वितरण किया गया। संचालन स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी देव प्रकाश वर्मा ने किया। ब्लॉक प्रमुख दिनेश कुमार वर्मा द्वारा सरकार द्वारा चलाई जा रही आयुष्मान योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। अधीक्षक डॉक्टर एके सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आयुष्मान कार्ड के लिए अब नया ऐप जारी हुआ है। नए ऐप के तहत आयुष्मान सूची में शामिल लाभार्थी अपने एंड्रॉयड मोबाइल में खुद भी आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं। मेले में करीब आधा दर्जन जरूरतमंदों को आयुष्मान कार्ड भी वितरित किया गया। आयुष्मान मेले में मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर के चिकित्सक सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर के चिकित्सक अनुराग गुप्ता, डॉक्टर शादाब, प्रतीक्षा वर्मा, काउंसलर खुशबू, नीलम, आयुष्मान मित्र नवीन पांडे बीसीपीएम दीपक तिवारी, वार्ड बॉय अखिलेश सिंह सहित अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

पीएम की मन की बात के साथ लोकसभा चुनाव जन मन की नब्ज टटोलने मे शामिल हुए भाजपा जिलाध्यक्ष।

सोहावल – अयोध्या। भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह सोहावल ब्लाक पश्चिमी मंडल पिरखौली के मजरे धौकल पांडेय का पुरवा निवासी महेश पांडेय उर्फ सोनू के घर पर पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात प्रसारण मे शामिल होकर सरकार के द्वारा की जाने वाली जनहित कार्यो की जानकारी दी। तथा लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी एवं स्वयं को भ्रष्टाचार मुक्त होने की संज्ञा देते हुए भ्रष्टाचार जैसे प्रमुख मुद्दे पर अध्यक्ष जनमन से रूबरु हुए। कहा कि सबसे पहले निचले स्तर पर भ्रष्टाचार मिटाओ अभियान चलाना होगा। सिंह ने कहा पहले हमे स्वयं परिवार को निजी स्वार्थ को त्यागते हुए परिवार पटीदार के साथ बेईमानी का रास्ता छोड़ सार्थक निर्णय करना होगा। जिससे भ्रष्टाचार को नीव से उखाड कर फेकने मे बल मिलेगा। इस मौके पर वेद प्रकाश गुप्ता, हिटलर तिवारी, रमाकांत ,राजेश, बिज्जू पांडेय, समर सिंह ,तेज बहादुर सिंह ,राजकरन मौर्या ,राम कुमार यादव, अनिल सिंह ,सहित दर्जनो भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अभी एक सप्ताह तक बना रहेगा मानसून का असर

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी में दिन बीतने के साथ ही मानसून की विदाई के दिन नजदीक आ रहे हैं। अगले चार–पांच दिनों में पश्चिमी भारत से मानसून के लौटने की संभावना मौसम विभाग जता रहा है लेकिन उत्तर प्रदेश में अभी एक हफ्ते तक इसका असर रहेगा। इस कारण गर्मी से राहत भी मिलती रहेगी। इसकी बानगी है लखनऊ में चल रही पुरवा हवा से शनिवार को लोगों ने राहत महसूस की। बादल आते और जाते रहे। आंचिलक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, एक सप्ताह तक मानसून के असर के कारण पूर्वी उत्तर प्रदेश में धूप की तल्खी कम परेशान करेगी।

1467 महिलाओ को ई- प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत मिला लाभ

सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर मना प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस

अयोध्या। रविवार को जिले सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत अभियान चलाया गया।जिसमें 1467 महिलाओं को इस योजना का लाभ मिला।जिला महिला अस्पताल सहित सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। चिकित्सकों ने गर्भवती महिलाओं की हीमोग्लोबिन सहित अन्य जांच एवं मुफ्त इलाज किया।इस मौके पर सीएमओ डॉ. संजय जैन ने बताया कि इस दिन गर्भवती महिला के ब्लड प्रेशर, ब्लड टेस्ट, यूरीन टेस्ट, हीमोग्लोबिन जांच और अल्ट्रासाउंड का टेस्ट निःशुल्क किया जाता है. इसके अलावा जो महिलाएं ज्यादा गंभीर होती हैं उन्हें उच्च चिकित्सा केन्द्रों के लिए रेफर कर दिया जाता है। इस मौके पर एसीएमओ डॉ0 आर.के. सक्सेना,श्रीमती साक्षी,जिला कार्यक्रम प्रबंधक राम प्रकाश पटेल, डीसीपीएम अमित कुमार सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

केंद्र एवं प्रदेश सरकार दीनदयाल जी के अंत्योदय के सिद्धांत पर गरीब मजदूर किसान के हित में अनवरत कार्य कर रही है : नितिन अग्रवाल

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम एवं गोष्ठी पंडित जी के चित्र पर पुष्पांजलि के पश्चात पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा भारतीय जनता पार्टी की केंद्र एवं प्रदेश की सरकार दीनदयाल जी के अंत्योदय के सिद्धांत पर विकास के अंतिम पायदान पर खड़े गरीब मजदूर किसान के हित में अनवरत कार्य कर रही है। गरीबों को आवास देना हो शौचालय बनवाना हो गैस कनेक्शन हो किसान सम्मन निधि देना हो मुफ्त अनाज वितरण गरीब के घर में बिजली पहुंचाना गांव में पेयजल हो यह सभी कार्य अंत्योदय की परिकल्पना को मूर्त रूप दे रहे हैं। यह सब वह कार्य हैं जिनके बारे में बात सबने की किया सिर्फ मोदी और योगी ने। जहां विपक्षी पार्टियों सपा बसपा कांग्रेस आदि के पास एक परिवार ही पार्टी है इसलिए उनकी सरकारों में जनता का पैसा लूट कर कुछ परिवार अरबपति हो जाते हैं वही मोदी और योगी का परिवार देश व प्रदेश की जनता है तो वह पैसा जनता के हित में लगता है। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा पूर्ववर्ती जनसंघ के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे दीनदयाल जी ने जिस अंतोदय एवं एकात्म मानववाद को प्रतिपादित किया आज करोड़ों पार्टी कार्यकर्ता उस विचार से प्रेरणा लेकर राष्ट्र के निर्माण में लगे हुए हैं। हमारे लिए सत्ता मात्र समाज एवं राष्ट्र के अनवरत उन्नयन का साधन है। जनसंघ के संस्थापक पंडित श्याम प्रसाद मुखर्जी ने कहा था यदि मेरे पास दो दीनदयाल हो तो मैं इस देश की राजनीति को बदल के रख दूंगा। संघ के प्रचारक रहे दीनदयाल जी का जीवन संघर्षों एवं दुखोंरू से लड़कर समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करने का अप्रतिम उदाहरण है। गोष्टी को जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने भी संबोधित किया।सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल रहे एवं अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने की।

गोष्ठी का संचालन जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह ने किया।

गोष्ठी में प्रमुख रूप से डीसीबी अध्यक्ष अशोक सिंह अनुसूचित मोर्चा क्षेत्रीय महामंत्री पीके वर्मा जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा सत्येंद्र राजपूत जिला मंत्री अविनाश पांडे जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक कार्यालय मंत्री अतुल सिंह आईटी प्रमुख सौरभ सिंह सोशल मीडिया प्रमुख प्रद्युम्न मिश्रा युमो महामंत्री प्रखर अग्निहोत्री शशि भूषण शुक्ला शोले मुकुल सिंह सुहाना जैन सत्यम शुक्ला अभिषेक ठाकुर हर्षित मिश्रा अमित त्रिवेदी रानू अनुराग श्रीवास्तव अभिषेक श्रीवास्तव बालाजी आदि मौजूद रहे। पूरे जिले में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर 486 शक्तिकेन्द्रों श्रद्धांजलि व गोष्ठी कार्यक्रम संपन्न हुए।

भारतीय ज्ञान परम्परा के सन्दर्भ में एकात्म मानववाद आज की आवश्यकता: डॉ. वी के बाजपेई

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) डॉ.राम मनोहर लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अल्लीपुर हरदोई में शिक्षाशास्त्र विभाग के तत्वावधान में ष्भारतीय ज्ञान परम्परा के सन्दर्भ में एकात्म मानववादः एक परिचर्चा ष बिषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया । मुख्य अतिथि डॉ.वी.के.बाजपेयी अपने उद्बोधन मे कहा कि भारत सारी दुनिया में ज्ञान और दर्शन के लिए प्रसिद्ध रहा हैं। ज्ञान यहाँ पवित्र विषय रहा है। ज्ञान से सभी रहस्यों का अनावरण होता है। ज्ञान से धर्म सधता है। ज्ञान से अर्थ, काम और मोक्ष मिलते हैं। हिन्दू ज्ञान अभीप्सु राष्ट्रीयता हैं। जड़ों से उखड़े वृक्षों पर फूल नहीं खिलते। पक्षी ऐसे वृक्षों पर गीत नहीं गाते। यूजीसी ने नई शिक्षा नीति–2020 के अनुसरण में भारत की ज्ञान परंपरा को छात्रों अध्यापकों के लिए मार्गदर्शी बताया है। भारत को मूल से जोड़ने का कार्यक्रम बनाया है। ज्ञान का लक्ष्य सूचना पाना ही नहीं होता। ज्ञान, विज्ञान और दर्शन में विश्व कल्याण की प्रतिभूति है ।

प्राचीन भारतीय कला के साक्ष्य ऋग्वेद में है। संगीत के सात सुरों की चर्चा है। सामवेद ज्ञान गान है। यजुर्वेद में भी छंद विधान है। अथर्ववेद में भरा पूरा संसार है।

गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ज्ञान परंपरा बताई,'यह प्राचीन ज्ञान मैंने विवस्वान को बताया था। विवस्वान ने मनु को। मनु ने इक्ष्वाकु को बताया था। परंपरा से यही ज्ञान ऋषि जानते आए हैं। काल प्रवाह में यह ज्ञान नष्ट हो गया। हे अर्जुन, वही पुरातन ज्ञान मैं तुमको बता रहा हूँ।श भारतीय ज्ञान परंपरा में लोकहित के सभी विषय सम्मिलित है।

संगोष्ठी के मुख्यवक्ता तथा विद्या भारती उच्च शिक्ष संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ.शीर्षेन्दु शीलषविपिनष ने अपने वक्तव्य मे कहा कि एकात्म मानववाद के प्रणेता ,प्रखर राष्ट्रवादी,हमारे मार्गदर्शक पं.दीन दयाल उपाध्याय जी की कृतत्व पाथेय हम सबके लिये अनुकरणीय है। भारत मे वैदिक काल ज्ञान दर्शन का अरुणोदय काल है। जिज्ञासा और प्रश्न सशक्त ज्ञान उपकरण हैं। ज्ञान दर्शन की यही परंपरा ऋग्वेद सहित चार वैदिक संहिताओं में विश्व की पहली ज्ञान सारिणी है।

अयोध्या की रामलीला के भूमि पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ

अयोध्या। धार्मिक नगरी अयोध्या मे फिल्मी सितारों से सजी अयोध्या की रामलीला के भूमि पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। रामलीला के अध्यक्ष सुभाष मलिक बाबी और सांसद लल्लू सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, साधु संतों एवं रामलीला कमेटी के पदाधिकारी की मौजूदगी में संपन्न हुआ।इस मौके पर मुख्य अतिथि सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि मै मुझे बहुत खुशी होती हैं की मैं हर साल अयोध्या की रामलीला की भूमि पूजन मे शामिल होता हूँ। इस साल अयोध्या की रामलीला का चौथा संस्करण हैं। अयोध्या की रामलीला से पूरे विश्व मे भगवान राम जी का सन्देश जाता हैं।बता दे कि 14 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक रामनगरी में फिल्म जगत से सजी अयोध्या की रामलीला का मंचन शुरू होगा।इस बार राम कथा पार्क में अयोध्या की रामलीला का मंचन किया जाएगा।जिसमे कई फिल्मी हस्तियां रामलीला में मंचन करेगी। रामलीला के अध्यक्ष सुभाष मलिक ने कहा कि शाम 7रू00 से रात 10रू00 बजे तक राम कथा पार्क,नया घाट अयोध्या से लाइव दूरदर्शन पर दिखाया जाएगा।इस साल अयोध्या के रामलीला को सेटेलाइट चौनल्स द्वारा टीवी पर लाइव दिखाया जाएगा।अयोध्या के रामलीला का अपना यूट्यूब चौनल हैं उस पर लाइव दिखाया जायेगा।अयोध्या के रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला है।इस साल अयोध्या के रामलीला चौथा संस्करण हैं।उन्होंने कहा कि हमें इस बात की बहुत खुशी है। अयोध्या की रामलीला उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ , सांस्कृतिक मंत्री जयवीर सिंह व नगर निगम के सहयोग से होता है।

परिवार से नाराज होकर झारखंड से अयोध्या आए वृद्ध को जल पुलिस ने परिवार वालों को बुलाकर किया सुपुर्द।

अयोध्या। नगरी अवध धाम में स्थित सरयू तट पर एक वृद्ध व्यक्ति, उम्र लगभग 65 वर्ष जिनका नाम बहोरन सिंह पुत्र श्याम लाल सिंह पता लवालांग जिला झारखंड निवासी पारिवारिक विवाद के कारण बिना बताये घर से भागकर अयोध्या चले आये जिनको सुनने, में, भी दिक्कत है और कई दिनों से ठीक से भोजन भी नहीं किए थे और जिनकी तबियत बिगड़ती जा रही थी तो वहाँ पे स्थानीय लोगों द्वारा देखा गया तो ड्यूटी पर गश्त करते हुए जल पुलिस प्रभारी रूबे प्रताप मौर्य कांस्टेबल नित्यानंद यादव, कांस्टेबल शिवकुमार, कांस्टेबल अजय कुमार व पुलिस मित्र के विश्वनाथ (रघुवीर) शुक्ला,नीरज तिवारी,विष्णु तिवारी,विजय कुमार व गौ सेवक रितेश दास को सूचना दिया गया तो उन्होंने उस वृद्ध व्यक्ति को जाकर देखा और उससे बातचीत किया और तुरंत खाना व दवाई की व्यवस्था की पूछने पर पता चला कि बात विवाद के कारण घर से भाग कर अयोध्या आ गए, है फिर उनके परिवार वालों को सूचना देकर अवगत कराया गया और उनके लड़के अवधेश कुमार सिंह और मिथिलेश कुमार सिंह को आज बुलवाकर उनके सुपुर्द किया गया स्थानीय लोगों ने एवं उनके परिवार वालों ने जल पुलिस व पुलिस मित्रों की खूब प्रशंसा की, और धन्यवाद दिए।

बड़े रविवार के अवसर पर आयोजित हुआ सूर्यकुंड का मेला।

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की नगरी की पौराणिकता के गवाह सूर्य देव का अद्भुत मंदिर व सूर्यकुंड है प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष सूर्यकुंड का मेला प्रातः 4रू00 बजे से ही प्रारंभ हुआ इस मेले में लाखों श्रद्धालु दूर–दूर से दर्शनार्थी प्रतिवर्ष की भांति आए हैं सुबह से ही दर्शन आरती सूर्यकुंड में स्नान गोदान दर्शन पूजन दर्शन कर अपनी अपनी विन्नते मानी सूर्य देव का अद्भुत मंदिर व सूर्यकुंड है इसकी धार्मिक मान्यता के मुताबिक सूर्यकुंड वह जगह है जब भगवान राम अयोध्या में जन्मे थे तो भगवान सूर्य इसी जगह पर आए थे इसी जगह से भगवान सूर्य ने भगवान राम की बाल लीलाओं के दर्शन किए थे इतना ही नहीं यहां की धार्मिक मान्यता यह भी है कि अगर किसी को कुष्ठ रोग हो तो वह इस कुंड में स्नान करता है तो इससे सारे रोग व्याध समाप्त हो जाते हैं दूर–दूर से आने वाले पर्यटक अयोध्या आते हैं अयोध्या दर्शन के बाद सूर्यकुंड दर्शन करने आते हैं इस कुंड में शाम ढलते ही लेजर शो का आयोजन होता है इसमें भगवान राम की गाथा दिखाई जाती है जिसे देखने के लिए श्रद्धालु भक्ति भाव में सराबोर हो जाते हैं कुंड से सटा हुआ भगवान सूर्य देव का मंदिर है जिसके दर्शन पूजन से जीवन में आई तमाम परेशानियां दूर हो जाती है इसी कुंड की खुदाई से दौरान सूर्य देव की अदभुत प्रतिमा निकली थी जो मंदिर में स्थापित है यहां के मेले में अधिकारियों द्वारा चाकचौबंद व्यवस्था भी की जाती रही है भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात किए जाते हैं तथा कुंड परिसर में नाव स्टीमर की व्यवस्था की जाती है मेले में पुलिस व्यवस्था की लचर कार्य प्रणाली से यात्रियों दर्शनार्थियों को काफी मुसीबत उठानी पड़ी पार्किंग की समुचित व्यवस्था न होने से मेले में आने जाने वाले पर्यटक को काफी परेशानियां उठानी पड़ी तथा मेला परिसर में चोर उचक्कों की पौबारह रही दर्जनों लोगों के चौन काटे गए कुछ लोगो के दर्शन के समय पर पर्स वा मोबाइल चोरी हो गए मंगल पांडे ए चौराहा से लेकर अयोध्या रोड के बगल गंदगी का अंबार लगा रहा जिसमें तमाम झूला सर्कस लगाए गए थे आज की व्यवस्था थी मेलार्थी को गंदगी से जूझना पड़ा वहीं मेले में खुलेआम खाद्य पदार्थ में मिलावट खोरी भी की गई।

कामों में अड़ंगा लगाया तो लगेगा गुंडा एक्ट

गोंडा (संवाददाता)। राजस्व टीम के कार्यों में अड़ंगा लगाने वालों पर अब गुंडा एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई होगी। यह निर्देश शनिवार को वजीरगंज थाना समाधान दिवस में पहुंचे देवीपाटन परिक्षेत्र डीआईजी अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने दिया। वहीं दूसरी तरफ मनकापुर पहुंचे कमिश्नर योगेश्वर राम मिश्र ने बार–बार एक ही शिकायत लेकर मुख्यालय का चक्कर काट रहे पीड़ितों को देखकर नाराजगी जताई है। दोनों अधिकारियों ने निर्देश दिया कि पक्षकारों को बैठाकर शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान कराया जाए। वजीरगंज थाना समाधान दिवस में पहुंचे देवीपाटन परिक्षेत्र के डीआईजी अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि राजस्व टीम की सरहदी किलाबंदी को बदलने या उखाड़ने वालों पर गुंडाएक्ट की धाराओं में कार्रवाई की जाएगी।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।